मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्ष: 9 अंक 40
सोमवार, 17 अगस्त 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-8
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

जिंदा पकड़ो या मारो, मिलेगा 30,000 डॉलर का इनाम अमेरिकी सैनिकों पर ईरानी कमांडर का ऐलान

इंटरनेशनल डेस्कः पश्चिम एशिया में ईरान और अमेरिका के बीच लगातार जारी तनाव के बीच ईरानी सेना ने एक बड़ा ऐलान किया है। सेना के मुताबिक, हमलावर अमेरिकी मिलिट्री के किसी भी सैनिक को जिंदा पकड़ने या मारने पर 30,000 डॉलर (लगभग 5 बिलियन तोमन) के बराबर का इनाम दिया जाएगा। सेना प्रमुख आमिर हतामी ने यह भी घोषणा की है कि अगर इस कार्रवाई को कोई हिम्मत वाली ईरानी महिला अंजाम देती है, तो उसे दोगुना इनाम दिया जाएगा।

ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी कम्ठअ की रिपोर्ट के अनुसार, देश के आर्मी चीफ आमिर हतामी ने बताया कि वित्तीय मदद में योगदान देने के लिए बड़ी संख्या में जनता के अनुरोध प्राप्त होने के बाद इस योजना को अंतिम रूप दिया गया। हालांकि, हतामी ने अमेरिकी सैनिकों को कहां या कब निशाना बनाया जाएगा, इस बारे में कोई विस्तृत जानकारी साझा नहीं की है। गौरतलब है कि इस युद्ध के दौरान अप्रैल में एक मृत अमेरिकी पायलट के रेस्क्यू मिशन को छोड़कर, ईरान में अमेरिका की कोई जमीनी सेना (ग्राउंड फोर्स) तैनात नहीं की गई है। अमेरिका और ईरान के बीच यह भीषण संघर्ष इस साल 28 फरवरी को शुरू हुआ था, जब डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने इजराइल की बेंजामिन नेतन्याहू सरकार के साथ मिलकर तेहरान और देश के कई अन्य हिस्सों पर हमले किए थे। इस युद्ध के पहले ही दिन ईरान के सुप्रीम नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत हो गई थी, जिसके बाद तेहरान ने जवाबी कार्रवाई करते हुए इजराइल और पड़ोसी अरब देशों में स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डों पर ताबड़तोड़ हमले किए।

संघर्ष शुरू होने के बाद से होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलना किसी भी शांति समझौते की राह में सबसे बड़ी रुकावट बना हुआ है। ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट में कमर्शियल जहाजों के आवागमन पर पूरी तरह से रोक लगा रखी है, जो दुनिया का एक ऐसा महत्वपूर्ण मार्ग है जिससे वैश्विक स्तर पर करीब पांचवां हिस्सा तेल और गैस गुजरता है. इस नाकेबंदी के कारण दुनिया भर में कच्चे तेल और गैस की कीमतें आसमान छू गई हैं और वैश्विक अर्थव्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है।

शुरूआती भीषण संघर्ष के बाद अप्रैल में पाकिस्तान की मध्यस्थता से लगभग 40 दिनों की जंग के बाद सीजफायर (युद्धविराम) हुआ था। इसके बाद जून में शांति वार्ता के लिए एक रूपरेखा भी बनी थी, लेकिन वह समझौता बाद में टूट गया। तब से दोनों सेनाओं के बीच दक्षिणी ईरान और होर्मुज स्ट्रेट के आसपास छिटपुट गोलीबारी की घटनाएं हो रही हैं। इस बीच यमन के हूती बागियों द्वारा वाणिज्यिक जहाजों पर किए गए हमलों ने लाल सागर के मार्ग पर भी नेविगेशन को बाधित कर दिया है, जिससे वैश्विक संकट और भी अधिक जटिल हो गया है।

सेवा क्षेत्र की वृद्धि जुलाई में साढ़े चार साल के निचले स्तर पर, नए ऑर्डर की रफ्तार सुस्त: पीएमआई

नई दिल्ली। देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि जुलाई में घटकर करीब साढ़े चार साल के निचले स्तर पर आ गई। घरेलू और निर्यात, दोनों बाजारों में नए कारोबार के ऑर्डर धीमे पड़ने, कड़ी प्रतिस्पर्धा और मांग कमजोर होने के कारण कारोबारी गतिविधियों की रफ्तार सुस्त रही। एक मासिक सर्वेक्षण में बुधवार को यह जानकारी दी गई। एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज पीएमआई (क्रय प्रबंधक सूचकांक) के अनुसार, कारोबारी गतिविधियां पिछले 53 महीनों में सबसे धीमी गति से बढ़ीं। मांग कमजोर रहने और प्रतिस्पर्धी दबाव के बीच नए कारोबार में केवल मध्यम वृद्धि दर्ज की गई। मौसम संबंधी उतार-चढ़ाव के आधार पर समायोजित एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक जून के 57.4 से घटकर जुलाई में 53.3 पर आ गया। यह करीब साढ़े चार साल में वृद्धि की सबसे धीमी दर है। हालांकि, सूचकांक 50 के तटस्थ स्तर से ऊपर बना रहा, जिससे यह संकेत मिलता है कि सेवा क्षेत्र में उत्पादन का विस्तार लगातार जारी है। एचएसबीसी की भारत में मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, ₹भारत का सेवा क्षेत्र जुलाई में भी बढ़ा, लेकिन इसकी रफ्तार कुछ धीमी रही। कई महीनों के मजबूत प्रदर्शन के बाद घरेलू और निर्यात, दोनों बाजारों में नए कारोबार की वृद्धि कमजोर पड़ी।₹ सर्वेक्षण के अनुसार, नए कारोबार में वृद्धि फरवरी, 2022 के बाद सबसे धीमी रही। सर्वेक्षण में शामिल कंपनियों ने बताया कि कड़ी प्रतिस्पर्धा, मांग में कमी, बाजार की कमजोर परिस्थितियों और ऑर्डर टाले जाने से वृद्धि प्रभावित हुई। रोजगार के मोर्चे पर जून में छह महीने के निचले स्तर पर पहुंचने के बाद जुलाई में नियुक्तियों की रफ्तार में कुछ सुधार हुआ। हालांकि, यह सुधार सीमित रहा। केवल छह प्रतिशत कंपनियों ने कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने की जानकारी दी, जबकि 92 प्रतिशत कंपनियों ने कहा कि उनके कर्मचारियों की संख्या में कोई बदलाव नहीं हुआ। भंडारी ने कहा कि नियुक्तियों में मध्यम सुधार हुआ, जबकि लागत दबाव कम होने और कंपनियों द्वारा बिक्री मूल्य बढ़ाने से लाभ मार्जिन में भी सुधार आया। सर्वेक्षण के अनुसार, जुलाई में ईंधन, श्रम, कच्चे माल, प्रौद्योगिकी और परिवहन लागत बढ़ने से सेवा क्षेत्र में लागत का दबाव बना रहा। हालांकि, निर्यात से मिलने वाले नए कारोबार ने सकारात्मक रुख बनाए रखा। कंपनियों ने संयुक्त अरब अमीरात, ब्रिटेन और अमेरिका से कारोबार बढ़ने की जानकारी दी। सेवा क्षेत्र की कंपनियों ने कर्मचारियों की संख्या में भी वृद्धि जारी रखी। सर्वेक्षण के अनुसार, बेहतर मांग और बाजार परिस्थितियों की उम्मीद, प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण की रणनीति तथा विदेशी पर्यटकों की संख्या बढ़ने की संभावना से कंपनियों का कारोबारी भरोसा बना रहा। हालांकि, समग्र कारोबारी विश्वास जुलाई में घटकर सात महीने के निचले स्तर पर आ गया। इस बीच, एचएसबीसी इंडिया कंपोजिट पीएमआई उत्पादन सूचकांक जून के 57.1 से घटकर जुलाई में 54.3 पर आ गया। यह मार्च, 2022 के बाद विस्तार की सबसे धीमी रफ्तार को दशार्ता है।

मुंबई में लक्जरी घरों की बिक्री पहली छमाही में बढ़कर रिकॉर्ड 18,512 करोड़ रुपए पर

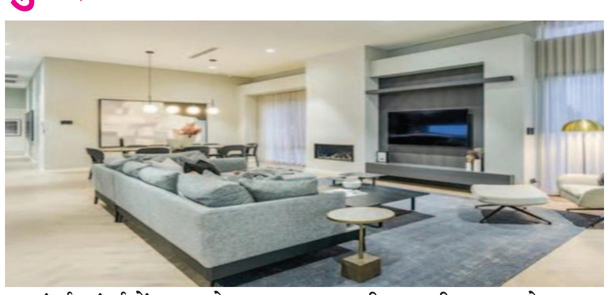

मुंबईः मुंबई में 10 करोड़ रुपए से अधिक कीमत वाले लक्जरी घरों की बिक्री वर्ष 2026 की पहली छमाही में 12 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 18,512 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। यह वृद्धि बेहतर मांग और कीमतों में बढ़ोतरी के कारण हुई है। प्रॉपर्टी सलाहकार फर्म इंडिया सॉथबीज इंटरनेशनल रियल्टी और और रियल एस्टेट डेटा विश्लेषण कंपनी सीआरई मैट्रिक्स की एक संयुक्त रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, ₹मुंबई के लक्जरी आवासीय बाजार ने 2026 की पहली छमाही में 18,512 करोड़ रुपए के अब तक के उच्चतम छमाही लेनदेन मूल्य के साथ ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है।₹ एक साल पहले की समान अवधि में यह आंकड़ा 16,518 करोड़ रुपए था। मात्रा के लिहाज से भी मुंबई में लक्जरी घरों की बिक्री बढ़कर 957 इकाइयों पर पहुंच गई, जो पिछले साल की समान अवधि में 761 इकाई थी। रिपोर्ट के अनुसार, शहर के शीर्ष 10 इलाकों का कुल प्राथमिक लक्जरी आवास बिक्री मूल्य में करीब 80 प्रतिशत योगदान रहा। इंडिया सॉथबीज इंटरनेशनल के कार्यकारी निदेशक सुदर्शन शर्मा ने कहा कि मुंबई में वर्ली, ताड़देव, लोअर परेल और बांद्रा पश्चिम जैसे स्थापित सूक्ष्म बाजार बेहतर बुनियादी ढांचे और गुणवत्तापूर्ण परियोजनाओं की वजह से अग्रणी बने हुए हैं। उन्होंने कहा, ₹कीमतों में वृद्धि संतुलित बनी हुई है और डेवलपर कीमतों को बढ़ा-चढ़ाकर रखने से बच रहे हैं। द्वितीयक बाजार भी प्राथमिक बिक्री के साथ तालमेल में आगे बढ़ रहा है।₹ सीआरई मैट्रिक्स के सह-संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अभिषेक किरण गुप्ता ने कहा कि 20-40 करोड़ रुपए के खंड में घरों की बिक्री में विशेष रूप से मजबूत रुझान बना हुआ है।

श्रीराम प्रॉपर्टीज का पहली तिमाही में शुद्ध लाभ 46 प्रतिशति घटकर 11 करोड़ रुपए

नई दिल्लीः रियल एस्टेट कंपनी श्रीराम प्रॉपर्टीज का चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 46 प्रतिशत घटकर 11.04 करोड़ रुपये रह गया। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 20.59 करोड़ रुपए था। कंपनी ने बुधवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन अवधि में कुल आय मामूली बढ़कर 271.04 करोड़ रुपए हो गई जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 261.54 करोड़ रुपए थी। कंपनी के परिचालन खर्च और कर व्यय अप्रैल-जून तिमाही में बढ़े। इसके अलावा, संयुक्त उद्यम वाली परियोजनाओं में भी कंपनी को नुकसान हुआ। परिचालन प्रदर्शन के मोर्चे पर श्रीराम प्रॉपर्टीज की पहली तिमाही में बिक्री बुकिंग 10 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 484 करोड़ रुपये रही। श्रीराम प्रॉपर्टीज के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक मुरली एम. ने कहा, "हमने वित्त वर्ष 2026-27 की शुरूआत मजबूत प्रदर्शन के साथ की है। चेन्नई और कोलकाता में हमारी नई परियोजनाओं को ग्राहकों की उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली है।" श्रीराम प्रॉपर्टीज की बेंगलुरु, चेन्नई, पुणे और कोलकाता में मौजूदगी है।

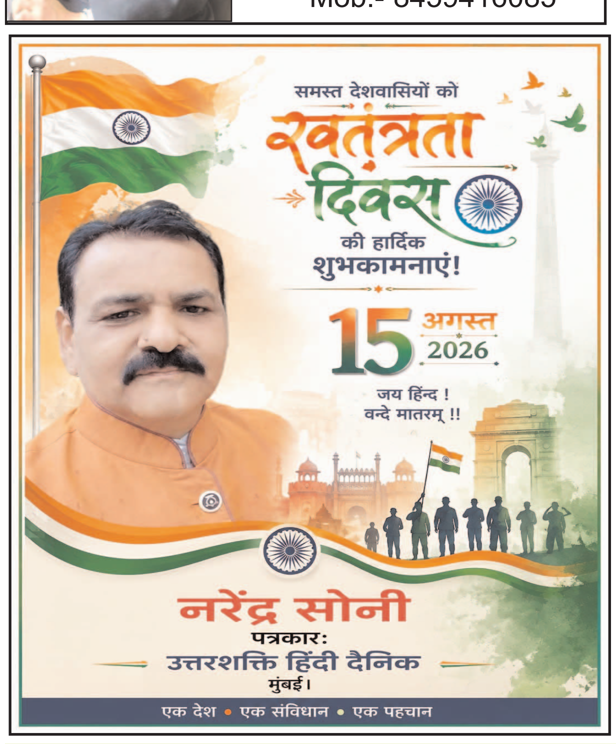

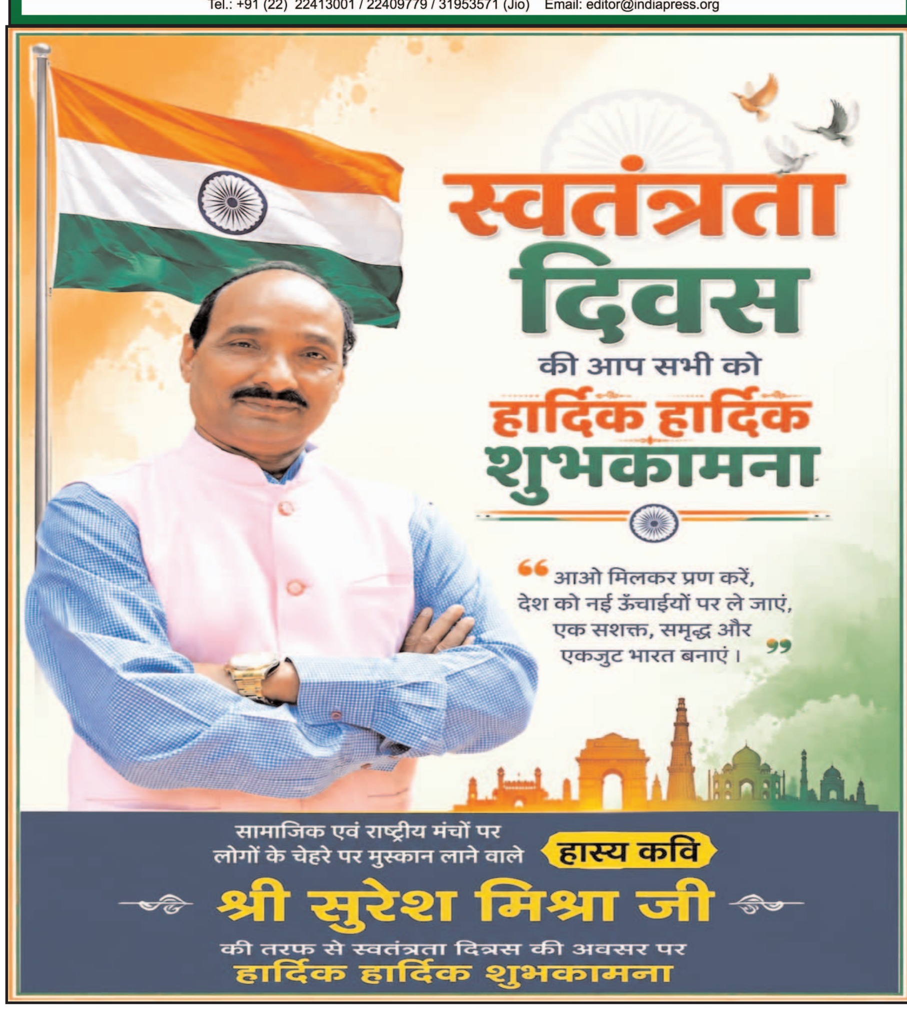

मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्षः 9 अंक 40
सोमवार, 17 अगस्त 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

2047 तक विकसित भारत के लिए गरीब, युवा और नारी को सशक्त बनाना होगा: अमित शाह

अलवर, 16 अगस्त। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि 2047 तक भारत को पूरी तरह विकसित राष्ट्र बनाने के लिए गरीबों, किसानों, युवाओं और महिलाओं को सशक्त बनाना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि सहकारिता और डेरी क्षेत्र में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बदलने तथा पशुपालक किसानों के जीवन में सुधार लाने की क्षमता है। अलवर में एक समारोह को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ज्ञान की अवधारणा का आशय गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी से है।

शाह ने कहा, अगर भारत को 2047 तक पूरी तरह विकसित राष्ट्र बनाना है तो युवाओं, गरीबों, किसानों और महिलाओं को सशक्त करना होगा। उन्होंने बताया कि राजस्थान में वर्तमान में करीब 44 हजार सहकारी समितियां हैं और सरकार का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि एक भी गांव ऐसा न हो, जहां कोई सहकारी

समिति नहीं हो। शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने किसानों के लिए हर साल महत्वपूर्ण योजनाएं शुरू की हैं। उन्होंने दावा किया कि 2014 से 2026 तक खेती-किसानी से जुड़ी कोई बड़ी पहल किए बिना एक भी वर्ष नहीं गुजरा है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर सबसे अधिक मात्रा में खाद्यान्न की खरीद की है। शाह ने कहा, हम हर गांव को समृद्ध बनाएंगे। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए शाह ने दावा किया कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष समेत पार्टी के नेता आपसी कलह में उलझे हुए हैं। उन्होंने कांग्रेस को चेतावनी देते हुए कहा, राजस्थान की जनता ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को चुनने का मन बना लिया है।

आपकी हार निश्चित है। इस कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया और कई अन्य परियोजनाओं की आधारशिला रखी गई। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री एवं अलवर से सांसद भूपेंद्र यादव, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और भाजपा के अन्य नेता मौजूद थे।

सुप्रीम कोर्ट आज कावेरी नदी विवाद में तमिलनाडु की याचिका पर करेगा सुनवाई

नई दिल्ली, 16 अगस्त। उच्चतम न्यायालय तमिलनाडु सरकार की उस याचिका पर सोमवार को सुनवाई करेगा, जिसमें कर्नाटक सरकार को तमिलनाडु के हिस्से का कावेरी नदी का जल तत्काल छोड़ने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। उच्चतम न्यायालय की 17 अगस्त की वाद सूची के अनुसार, मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति विक्रमनाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ करेगी। शीर्ष अदालत ने 12 अगस्त को कहा था कि इस मामले में तमिलनाडु सरकार और द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सहित अन्य पक्षों की ओर से दायर याचिकाओं पर 17 अगस्त को सुनवाई की जाएगी।

इससे पहले, तमिलनाडु सरकार ने कहा था कि बारिश की कमी वाले साल में राज्य को कावेरी नदी के पानी का अपना उचित हिस्सा नहीं मिल रहा है। जोसफ विजय के

नेतृत्व वाली तमिलनाडु सरकार ने तीन अगस्त को उच्चतम न्यायालय का रुख करते हुए कर्नाटक सरकार को तमिलनाडु के हिस्से का पानी तत्काल छोड़ने का निर्देश देने का अनुरोध किया था। राज्य सरकार ने अपनी याचिका में दावा किया कि कावेरी जल विनियमन समिति (सीडब्ल्यूआरसी) द्वारा तमिलनाडु के लिए निर्धारित जल की मात्रा और पड़ोसी राज्य कर्नाटक द्वारा छोड़ा गया पानी, दोनों ही तय हिस्से से काफी कम हैं।

तमिलनाडु सरकार ने कहा कि 28 जुलाई को सीडब्ल्यूआरसी की बैठक में कर्नाटक को 29 जुलाई से 15 दिन तक 3,500 क्यूसेक पानी छोड़ने का निर्देश दिया गया था। उसने कहा कि हालांकि, 29 जुलाई से दो अगस्त के बीच बिलिगुंडलु में छोड़े गए पानी की मात्रा 158 से 550 क्यूसेक के बीच रही। तमिलनाडु सरकार की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि तीन अगस्त तक कर्नाटक में केआरएस, काबिनी, हरंगी और हेमावती जलाशयों में कुल मिलाकर 77.537 टीएमसी पानी उपलब्ध था।

उसने कहा कि ऐसे में कर्नाटक को तमिलनाडु के हिस्से का पानी अनुपात के आधार पर छोड़ने में कोई कठिनाई नहीं होगी। इसमें कहा गया कि कर्नाटक में हाल में केआरएस और काबिनी बांधों के जलग्रहण क्षेत्रों में हुई बारिश के बाद, बिलिगुंडलु में छोड़े जाने वाले पानी का अनुपातिक हिस्सा 26.954 टीएमसी होना चाहिए।

झारखंड में प्रदर्शनकारी छात्र मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला जलाएंगे, 20 अगस्त को करेंगे सीएम आवास का घेराव

रांची, 16 अगस्त। झारखंड में भर्ती परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों के खिलाफ विरोध कर रहे छात्रों ने घोषणा की है कि वे रविवार को राज्य के सभी 24 ज़िलों में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के पुतले जलाएंगे। उनका आरोप है कि सत्ताधारी झामुमो-कांग्रेस गठबंधन उनकी मांगों पर ठोस कार्रवाई करने में नाकाम रहा है। जेपीएससी-जेएसएससी रिफॉर्म्स मंच के तहत जारी विरोध प्रदर्शन का रविवार को 23वां दिन है।

आंदोलनकारियों ने सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) और कांग्रेस पर छात्रों के मुद्दों को लेकर राजनीति करने का आरोप लगाया और घोषणा की कि वे सोरेन के इस्तीफे की मांग करते हुए 20 अगस्त को उनके आवास का घेराव करेंगे। शनिवार को उन्होंने मांग की

कि अगर मुख्यमंत्री उनकी बात नहीं सुन रहे हैं तो राहुल गांधी झामुमो नीत गठबंधन से समर्थन वापस ले लें। उन्होंने देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर और भर्ती परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता और सुधार की अपनी मांग को लेकर शनिवार को रांची में तिरंगा यात्रा निकाली।

हाथ में राष्ट्रीय ध्वज लिए प्रदर्शनकारियों ने भारत माता की जय और वंदे मातरम् जैसे नारे लगाए। जेपीएससी-जेएसएससी रिफॉर्म्स मंच के नेता रवींद्र पासवान ने कहा, हम 20 अगस्त को मुख्यमंत्री आवास का घेराव करेंगे। हम उनके इस्तीफे की मांग करते हैं क्योंकि झामुमो और कांग्रेस, दोनों ही हमारे साथ राजनीति कर रहे हैं। हमारी यह भी मांग है कि अगर मुख्यमंत्री राहुल गांधी की बात नहीं सुन रहे हैं, तो उन्हें झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन से समर्थन वापस ले लेना चाहिए। प्रदर्शनकारियों ने पूरे झारखंड के छात्रों से अपील की कि वे 20 अगस्त को मुख्यमंत्री आवास के प्रस्तावित घेराव के लिए रांची में एकत्र हों। उन्होंने गांधी को भी आड़े हाथ लिया और कहा कि उन्होंने छात्रों का समर्थन करने की बात तो कही, लेकिन उसके बाद कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

बांग्लादेश की ऐतिहासिक जीत, ऑस्ट्रेलिया में पहली बार कंगारू टीम को टेस्ट में हराया

डार्विन, 16 अगस्त। बांग्लादेश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। बांग्लादेश ने ऑस्ट्रेलिया को पहले टेस्ट मैच के चौथे दिन नौ विकेट से हराया। बांग्लादेश की यह ऑस्ट्रेलियाई धरती पर पहली टेस्ट जीत है। रविवार को ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी चौथे दिन 284 रन पर ऑलआउट हुई जिससे बांग्लादेश को जीत के लिए 57 रनों का लक्ष्य मिला। ऑस्ट्रेलिया के लिए दूसरी पारी में कैमरन ग्रीन ने शतक लगाया और टीम को मामूली बढ़त दिलाई। ग्रीन का साथ दूसरे छोर पर कोई बल्लेबाज नहीं दे सका। बांग्लादेश ने दूसरी पारी में एक विकेट के नुकसान पर 57 रन बनाकर मैच अपने नाम किया और दो मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। कम लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांग्लादेश को जोश हेजलवुड ने पहला झटका दिया। हेजलवुड ने तंजिद हसन तमीम को खाता खोले बिना आउट किया। इसके बाद शदमान इस्लाम और मोमिनुल हक ने बांग्लादेश को आसानी से जीत दिलाई। हक 30 और इस्लाम 25 रन बनाकर नाबाद रहे।

बांग्लादेश ने इस मैच में शानदार प्रदर्शन किया है और ऑस्ट्रेलिया को उसके घर में ही झटका दिया है। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 198 रन बनाए, जबकि बांग्लादेश की पहली पारी 426 रन पर ऑलआउट हुई। इस तरह बांग्लादेश ने 228 रनों की बढ़त हासिल कर ली थी। दूसरी पारी में भी ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी कुछ खास नहीं रही और टीम ने 207 रन के स्कोर पर ही सात विकेट गंवा दिए। इसके बाद ग्रीन ने स्टार्क के साथ मिलकर साझेदारी की और टीम को बढ़त दिलाने में सफल रहे। चौथे दिन लंच ब्रेक तक ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में सात विकेट पर 243 रन बनाए। लंच ब्रेक

के बाद हालांकि, ऑस्ट्रेलिया को मिचेल स्टार्क के रूप में आठवां झटका लगा। ग्रीन और स्टार्क ने आठवें विकेट के लिए 43 रनों की साझेदारी की। तस्कीन अहमद ने स्टार्क को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। स्टार्क 18 रन बनाकर आउट हुए। तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक ऑस्ट्रेलिया ने अपनी दूसरी पारी में चार विकेट गंवाकर 161 रन बना लिए थे। चौथे दिन कैमरन ग्रीन ने 43 रन और एलेक्स कैरी ने 19 रन से पारी आगे बढ़ाई। कैरी को मेहदी हसन मिराज ने अपना शिकार बनाया जो 30 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद मिराज ने ऑस्ट्रेलिया को दो झटके और दिए। उन्होंने ब्यू वेबस्ट (5) और कप्तान पैट कमिंस (8) को अपना शिकार बनाकर ऑस्ट्रेलिया की पारी लड़खड़ा दी। इसके बाद ग्रीन और स्टार्क ने चौथे दिन के पहले सत्र में टीम को संभाला। यह साझेदारी टूटने के बाद ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी ऑलआउट होने में ज्यादा देर नहीं लगी।

ऑस्ट्रेलिया टीम की शुरूआत फिर खराब रही। जेक वेदराल्ड खाता खोले बिना आउट हुए। वहीं, ट्रेविस हेड 17 रन बना सके। इन दोनों को फिर से हसन महमूद ने आउट किया। मार्नस लाबुशेन 31 रन और स्टीव स्मिथ 44 रन बनाकर पवेलियन लौटे। लाबुशेन को तैजुल इस्लाम ने और स्मिथ को मिराज ने पवेलियन भेजा। ऑस्ट्रेलिया के लिए दूसरी पारी में ग्रीन ने दमदार प्रदर्शन किया और अपने टेस्ट करियर का तीसरा शतक लगाया। हालांकि, वह 104 रन बनाकर आउट हुए। बांग्लादेश की ओर से मिराज ने पांच विकेट लिए, जबकि हसन महमूद को तीन और तस्कीन अहमद तथा तैजुल इस्लाम को एक-एक विकेट मिला।

बलूचिस्तान में फिर आतंकवादी हमला; परिवार की दो महिलाओं की गोली मारकर हत्या, 7 आतंकी भी ढेर

पाकिस्तान, 16 अगस्त। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में रविवार को आतंकवादी हमले में सिंध के एक परिवार की दो महिलाओं की गोली मारकर हत्या कर दी गई, जबकि दो अलग-अलग कार्रवाई में सुरक्षा बलों ने सात आतंकवादियों को मार गिराया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के अनुसार, प्रांत के खारान जिले में एक अभियान के दौरान ये आतंकवादी मारे गए, जबकि कई अन्य आतंकवादी घायल हुए। आईएसपीआर ने बताया कि आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद शनिवार रात खारान के लाजे इलाके में अभियान चलाया गया। इस दौरान प्रतिबंधित संगठन 'फितना अल-खवारिज' से जुड़े सात आतंकवादी मारे गए। 'खवारिज' शब्द का इस्तेमाल पाकिस्तानी सरकार

प्रतिबंधित संगठनों के लिए करती है। बलूचिस्तान में सुरक्षा बलों का यह अभियान छह जुलाई को जियारत में मांगी बांध पंपिंग स्टेशन पर पुलिस चौकी पर हुए घातक हमले के बाद शुरू हुआ था। हथियारबंद हमलावरों ने 27 पुलिसकर्मियों का अपहरण कर उनकी हत्या कर दी थी। ISPR ने 12 अगस्त को बताया था कि प्रांत में एक वाहन में लगाया गया विस्फोटक उपकरण तैयार किए जाने के दौरान समय से पहले फट गया था। इसके बाद चलाए गए सुरक्षा अभियान में 21 लोगों की मौत हुई थी।

यूक्रेन का रूस पर अब तक का सबसे बड़ा हमला; एक रात में 822 ड्रोन दाग कर मचाई तबाही, 6 लोगों की मौत

मॉस्को, 16 अगस्त। यूक्रेन ने रूस के खिलाफ जंग में अब तक के सबसे बड़े हवाई हमला कर तबाही मचा दी । इस हमले ने मॉस्को से लेकर रोस्तोव तक हड़कंप मचा दिया। रूस के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि रातभर में 822 यूक्रेनी ड्रोन नष्ट किए गए, जबकि मॉस्को की ओर बढ़ रहे करीब 600 ड्रोन का पता चला। हमलों में कम से कम 6

लोगों की मौत की खबर है। वहीं रूस ने भी यूक्रेन पर मिसाइल और ड्रोन से पलटवार किया, जिसमें कई लोगों की जान गई। यूक्रेन ने रविवार को रूस के कई इलाकों को निशाना बनाया। रूस के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, उसकी वायु रक्षा ने रातभर में 822 यूक्रेनी ड्रोन को नष्ट करने का दावा किया। मॉस्को के मेयर सर्गेई सोब्यानिन के अनुसार, करीब 600 ड्रोन राजधानी मॉस्को की तरफ बढ़ रहे थे। इनमें से करीब एक तिहाई ड्रोन मॉस्को क्षेत्र के ऊपर ही नष्ट किए जाने का दावा किया गया है। हमलों के कारण कई जगह आग लगने और संपत्ति को नुकसान पहुंचने की खबरें सामने आईं।

मॉस्को क्षेत्र के गवर्नर आंद्रे वोरोब्योव के मुताबिक, एक यूक्रेनी ड्रोन ने एक निजी मकान को निशाना बनाया। इस हमले में 83 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई। इसके अलावा पोडोल्स्क शहर में ऑनलाइन रिटेल कंपनी वाइल्डबेरीज के एक बड़े गोदाम में भी आग लग गई। यह कंपनी पहले भी यूक्रेनी ड्रोन हमलों की चपेट में आ चुकी है। रूस के रोस्तोव क्षेत्र में भी यूक्रेन ने बड़ा ड्रोन हमला किया। स्थानीय गवर्नर यूरी स्ल्युसार के अनुसार, क्षेत्र के तीन शहरों को निशाना बनाया गया और 150 से ज्यादा ड्रोन के हमले में पांच लोगों की मौत हो गई। हमले में कई घर

TIWARI'S SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
✓ 34+ Years of Academic Excellence
✓ Experienced & Dedicated Faculty
✓ Personal Attention
✓ Printed Notes & Regular Tests
✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध
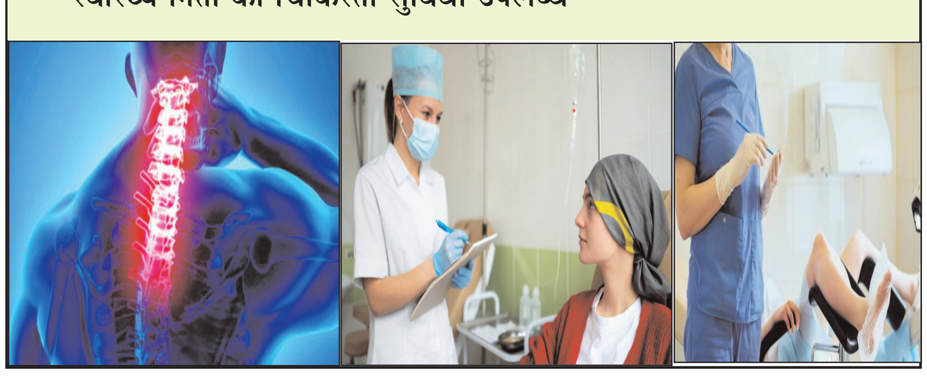

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg. Near Diamond Talkies, L. T. Road, Borivali (West) Mumbai - 400 092 Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
• Std. XI & XII (Sci.)
• NEET
• JEE (Main & Advance)
• MHT-CET
• Polytechnic & Engg
• Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा मानसून सत्र

-ललित गर्ग

संसदीय मर्यादाओं का क्षरण कब तक? आखिर कब हम संसद के एक-एक मिनट का उपयोग करने की पात्रता विकसित करेंगे? आजादी की 80वीं वर्षगांठ की आयोजना से पूर्व भारत में संसद का मानसून सत्र जिस निराशाजनक स्थिति, नाउम्मीदी और उपेक्षापूर्ण स्थितियों के साथ संपन्न हुआ, वह केवल किसी एक दल, सरकार या विपक्ष की विफलता नहीं है, बल्कि हमारी संसदीय संस्कृति के सामने खड़ा एक गंभीर प्रश्नचिह्न है। 25 दिनों तक चले इस सत्र में तीखी राजनीतिक बहस के बजाय हंगामा, नारेबाजी, गतिरोध और कार्यवाही बाधित करने की प्रवृत्ति अधिक प्रभावी रही। प्रश्न यह नहीं है कि सत्ता पक्ष सही था या विपक्ष, प्रश्न यह है कि क्या हमारी संसद अपने मूल दायित्व-जनता के प्रश्नों पर गंभीर विमर्श, सरकार की जवाबदेही और राष्ट्रहित में कानून निर्माण को पूरा कर पा रही है? इस सत्र के आंकड़े स्वयं बहुत कुछ कह रहे हैं। लोकसभा की उत्पादकता बमुश्किल 19 प्रतिशत रही, जबकि राज्यसभा में लगभग 39 प्रतिशत काम हो पाया। लोकसभा में एक भी दिन प्रश्नकाल पूरा नहीं हो सका। यह स्थिति इसलिए अधिक चिंताजनक है क्योंकि प्रश्नकाल संसद की आत्मा माना जाता है। देश की जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों को सरकार से प्रश्न पूछने और सरकार को उनका उत्तर देने का अवसर ही यदि सदन में उपलब्ध न हो, तो लोकतंत्र की जवाबदेही किस रास्ते से सुनिश्चित होगी? 28 जुलाई को लोकसभा में अपेक्षाकृत ठीक काम हुआ, जबकि राज्यसभा में भी केवल कुछ दिन ही सार्थक कार्यवाही हो सकी। शेष समय का बड़ा हिस्सा राजनीतिक टकराव की भेंट चढ़ गया।

संसद केवल ईंट-पत्थर से बनी इमारत नहीं है। वह भारत की सामूहिक चेतना का सर्वोच्च लोकतांत्रिक मंच है। वहां देश के करोड़ों नागरिकों की आकांक्षाएं, समस्याएं और सपने पहुंचते हैं। किसान, मजदूर, विद्यार्थी, महिला, व्यापारी, युवा, गरीब और वंचित वर्ग-सभी की आवाज संसद के माध्यम से राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बनती है। इसलिए संसद का एक मिनट भी केवल सांसदों का समय नहीं होता, वह देश की जनता के धन, विश्वास और लोकतांत्रिक अधिकार का समय होता है। संसद का प्रत्येक व्यर्थ गया मिनट वास्तव में जनता के विश्वास से घटा हुआ एक मिनट है। दुर्भाग्य यह है कि संसद में हंगामा अब अपवाद नहीं, बल्कि संसदीय राजनीति का लगभग नियमित हथियार बनता जा रहा है। मुद्दे उठाना लोकतांत्रिक अधिकार है, सरकार को घेरना विपक्ष का दायित्व है और असहमति लोकतंत्र की शक्ति है, लेकिन असहमति को संवाद में बदलने के बजाय कार्यवाही रोक देना लोकतंत्र को मजबूत नहीं करता। विरोध की भी एक मर्यादा होती है। यदि विपक्ष अपनी बात रखने के लिए सदन को चलने ही न दे और सत्ता पक्ष विपक्ष की आवाज सुनने की बजाय राजनीतिक बहुमत को ही पर्याप्त समझे, तो दोनों मिलकर संसदीय लोकतंत्र की आत्मा को कमजोर करते हैं।

इस सत्र में कुछ घटनाएं इस गिरावट को और स्पष्ट करती हैं। लोकसभा अध्यक्ष ने सत्र के समापन पर पारंपरिक समापन भाषण नहीं दिया। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस द्वारा लोकसभा अध्यक्ष के साथ होने वाली चाय पार्टी का बहिष्कार किया जाना भी केवल एक कार्यक्रम का बहिष्कार नहीं माना जा सकता। यह सदन के भीतर बढ़ती राजनीतिक कटुता का संकेत है। लोकतंत्र में मतभेद स्वाभाविक हैं, मनभेद लोकतंत्र के लिए घातक हैं। संसद में बहस के बाद हाथ मिलाने की संस्कृति विकसित होनी चाहिए, बहस के बाद दूरी बढ़ाने की नहीं। इस मानसून सत्र को नीट-यूजी पेपर लीक, जंतर-मंतर छात्र आंदोलन, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग और राम मंदिर में दान चोरी जैसे मुद्दों के लिए भी याद किया जाएगा। जंतर-मंतर पर हुई हिंसा के बाद विपक्ष केंद्रीय गृहमंत्री से जवाब मांग रहा था। जब सत्र के अंतिम दिनों में गृहमंत्री जवाब देने को तैयार हुए तो विपक्ष द्वारा उनका वक्तव्य सुनने से इनकार करना संसदीय विवेक की कसौटी पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है। यदि विपक्ष को सरकार के जवाब से असहमति थी, तो उसे सुनकर तथ्यात्मक प्रतिवाद करना अधिक प्रभावी लोकतांत्रिक रास्ता होता। संसद में जवाब सुनने से इनकार करना प्रश्न का समाधान नहीं, प्रश्न को अनुत्तरित छोड़ना है।

यह भी सच है कि तमाम गतिरोध के बीच संसद ने कुछ महत्वपूर्ण काम किए। विदेशी अंशदान विनियमन संशोधन विधेयक यानी एफसीआरए को सरकार ने विरोध के बीच संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजा। सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 दोनों सदनों में पारित हुआ, जिसका उद्देश्य परीक्षाओं में अनुचित साधनों पर अंकुश लगाना और दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करना है। बैंकिंग रिकॉर्ड को नए डिजिटल ढांचे से जोड़ने, जन्म-मृत्यु के विलंबित पंजीकरण को अधिक कठोर बनाने तथा अन्य विधायी एवं प्रशासनिक सुधारों की दिशा में भी कदम उठे। केरल का नाम विधिवत केरलम किए जाने का निर्णय भी इसी सत्र का हिस्सा रहा। ये उपलब्धियां बताती हैं कि यदि संसद चले तो कम समय में भी महत्वपूर्ण काम संभव है। लेकिन सवाल फिर वही है-जब संसद चल सकती है तो उसे बार-बार रोकने की आवश्यकता क्यों पड़ती है? क्या हम यह भूल गए हैं कि लोकतंत्र का अर्थ केवल चुनाव जीतना नहीं है? लोकतंत्र का वास्तविक अर्थ है-विचारों का सम्मान, असहमति की स्वीकार्यता, संवाद की निरंतरता और निर्णय प्रक्रिया में जनता की भागीदारी। सत्ता पक्ष को यह समझना होगा कि बहुमत उसे शासन करने का अधिकार देता है, लेकिन विपक्ष को सुनने से मुक्त नहीं करता। दूसरी ओर विपक्ष को यह स्वीकार करना होगा कि विरोध का अधिकार संसद को निष्क्रिय करने का अधिकार नहीं है।

अतीत में हमारी संसदीय परंपरा ने अनेक कठिन दौर देखे हैं। तीखी बहसें हुईं, वैचारिक संघर्ष हुए, सरकारों की आलोचना हुई, लेकिन संसद को संवाद का मंच बनाए रखने की कोशिश होती रही। आज आवश्यकता है कि हम उस परंपरा को पुनर्जीवित करें। राजनीतिक दलों को अपने भीतर यह आत्ममंथन करना होगा कि क्या वे जनता के बीच जाकर यह कह सकते हैं कि हमने संसद में आपके प्रश्नों के लिए उपलब्ध समय का पूरा उपयोग किया? क्या कोई सांसद गर्व से कह सकता है कि उसने अपने कार्यकाल के प्रत्येक संसदीय अवसर को राष्ट्रहित में लगाया? संसद में हंगामा करना आसान है, लेकिन संसद चलाना चरित्र, संयम और लोकतांत्रिक परिपक्वता मांगता है। नारे लगाने के लिए ऊर्जा चाहिए, लेकिन तथ्यपूर्ण बहस के लिए अध्ययन चाहिए। माइक के सामने खड़े होने के लिए राजनीतिक उत्साह चाहिए, लेकिन कानून बनाने के लिए दूरदृष्टि चाहिए। कार्यवाही रोकने के लिए संख्या पर्याप्त हो सकती है, लेकिन राष्ट्र निर्माण के लिए विवेक, धैर्य और संवाद आवश्यक है।

आजादी के 80वें वर्ष की ओर बढ़ते भारत के लिए यह आत्ममंथन का समय है। हमने विज्ञान, अर्थव्यवस्था, तकनीक और वैश्विक प्रतिष्ठा के अनेक क्षेत्रों में बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। लेकिन क्या हमारी राजनीतिक संस्थाएं भी उसी गति से परिपक्व हुई हैं? क्या हम संसदीय प्रणाली को इतना सशक्त बना पाए हैं कि संसद के एक-एक मिनट का अधिकतम उपयोग कर सकें? क्या हम अपनी असहमति को इतनी गरिमा दे पाए हैं कि विरोध भी हो और संवाद भी बना रहे? क्या हम सत्ता को इतनी विनम्रता और विपक्ष को इतना विवेक दे पाए हैं कि दोनों मिलकर लोकतंत्र को मजबूत करें? इन प्रश्नों के उत्तर केवल संसद भवन के भीतर नहीं खोजे जाने चाहिए। राजनीतिक दलों के नेतृत्व, सांसदों, संसदीय कार्यप्रणाली और अंततः हम नागरिकों-सभी को इस पर विचार करना होगा। जनता को भी यह प्रश्न पूछना चाहिए कि उसका प्रतिनिधि संसद में कितनी बार उपस्थित रहा, कितने प्रश्न पूछे, कितनी बहसों में भाग लिया और राष्ट्र के लिए क्या सार्थक योगदान दिया। लोकतंत्र केवल पांच वर्ष में एक बार वोट देने से मजबूत नहीं होता, लोकतंत्र तब मजबूत होता है जब जनता अपने प्रतिनिधियों से निरंतर जवाब मांगती है। हंगामा किसी दल की विजय नहीं है, बल्कि लोकतंत्र की सामूहिक पराजय है। संसद चलेगी तो प्रश्न पूछे जाएंगे, प्रश्न पूछे जाएंगे तो सरकार जवाब देगी, जवाब मिलेगा तो नीतियों की समीक्षा होगी और सार्थक कानून बनेंगे। यही लोकतंत्र की जीवन-धारा है।

वन्देमातरम का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान

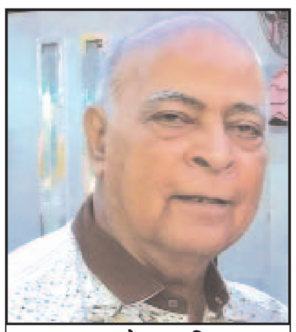
अशोक भाटिया

'वंदे मातरम्' केवल एक गीत नहीं है, बल्कि यह भारत की राष्ट्रीय चेतना, सांस्कृतिक अस्मिता और स्वतंत्रता संग्राम की सामूहिक आत्मा का जीवंत प्रतीक है। बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के कलम से निकले इन दो शब्दों ने पराधीन भारत में वह राष्ट्रभक्ति की अग्नि प्रज्वलित की थी, जिसने ब्रिटिश साम्राज्य की नींव हिला दी। आज जब देश अपनी स्वतंत्रता के अमृत काल से आगे बढ़ते हुए एक सशक्त वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित हो रहा है, तब ₹वंदे मातरम् का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान₹ का नारा केवल एक राजनीतिक वक्तव्य नहीं, बल्कि देश के 140 करोड़ नागरिकों के स्वाभिमान की हुंकार है। हाल के दिनों में राष्ट्रगीत को लेकर देश के भीतर जो वैधानिक और राजनीतिक विमर्श खड़ा हुआ है, उसने एक बार फिर यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि राष्ट्र के मूल प्रतीकों के प्रति हमारी निष्ठा राजनीतिक लाभ-हानि से ऊपर क्यों नहीं हो पा रही है। विशेषकर, देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी, कांग्रेस का इस पूरे घटनाक्रम में जो रुख रहा है, वह बौद्धिक और वैधानिक विमर्श के केंद्र में आ गया है।

यदि हम इतिहास के पन्नों को पलटें, तो वंदे मातरम् और कांग्रेस का संबंध बहुत पुराना और गहरा दिखाई देता है। सन 1896 के कलकत्ता अधिवेशन में रवींद्रनाथ टैगोर ने स्वयं इस गीत को गाकर कांग्रेस के मंच से राष्ट्रीय ऊर्जा का संचार किया था। इसके बाद 1901, 1905 और स्वतंत्रता आंदोलन के लगभग हर बड़े मंच पर कांग्रेस के नेताओं ने वंदे मातरम् के नारों के साथ लाठियां खाईं और जेलें भरीं। उस दौर की कांग्रेस के लिए यह गीत भारत माता की वंदना का एक पवित्र मंत्र था।

परंतु, जैसे-जैसे स्वतंत्रता आंदोलन आगे बढ़ा और देश विभाजन की विभीषिका की ओर अग्रसर हुआ, कांग्रेस के भीतर एक वैचारिक भटकाव देखा जाने लगा। मुस्लिम लीग के तुष्टीकरण और विरोध के सामने झुकते हुए, कांग्रेस ने इस गीत के पूर्ण गायन पर संकोच जताना शुरू कर दिया। 1937 में कांग्रेस कार्यसमिति ने एक प्रस्ताव पारित कर इसके केवल शुरूआती दो छंदों को ही गाने की अनुमति दी, क्योंकि इसके बाद के छंदों में भारत भूमि को दुर्गा और लक्ष्मी के रूप में चित्रित किया गया था, जिस पर कुछ समुदायों को आपत्ति थी। यह इतिहास का वह पहला मोड़ था जहाँ कांग्रेस ने राष्ट्रीय अस्मिता के इस महामंत्र को राजनीतिक चश्मे से देखना शुरू किया। यहीं से राष्ट्र के सांस्कृतिक प्रतीकों के साथ समझौता करने की जो परिपाटी शुरू हुई, उसका खामियाजा देश आज तक भुगत रहा है। आजादी मिलने के बाद जब संविधान सभा में राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत के चयन का प्रश्न आया, तब भी कांग्रेस के तत्कालीन नेतृत्व का रवैया वंदे मातरम् के प्रति पूर्ण न्यायसंगत नहीं रहा। डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने स्पष्ट रूप से घोषणा की थी कि वंदे मातरम् को जन-गण-मन के समान ही दर्जा और सम्मान प्राप्त होगा। लेकिन व्यावहारिक धरातल पर कांग्रेस सरकारों के कार्यकाल में वंदे मातरम् को वह स्थान नहीं मिल सका, जो जन-गण-मन को मिला।दशकों तक कांग्रेस ने वंदे मातरम् को केवल एक औपचारिक औपचारिकता तक सीमित रखा। सरकारी विद्यालयों, दूरदर्शन या आकाशवाणी पर इसके प्रसारण को लेकर कांग्रेस सरकारों की नीतियां हमेशा रक्षात्मक रहीं। इसका कारण यह था कि कांग्रेस को हमेशा यह भय सताता रहा कि यदि वे वंदे मातरम् को अधिक बढ़ावा देंगे, तो उनका एक खास वोट बैंक उनसे छिटक सकता है। इस राजनीतिक कायरता और तुष्टीकरण की नीति ने राष्ट्रगीत के महत्व को कमतर करने का काम किया। कांग्रेस ने बार-बार राष्ट्रगीत के सम्मान को अपनी राजनीतिक प्राथमिकताओं के नीचे दबाए रखा।

वर्ष 2026 भारत के इतिहास में एक मील का पत्थर साबित हुआ है, जब संसद ने राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम में संशोधन कर 'वंदे मातरम' को कानूनी रूप से राष्ट्रगान 'जन-गण-मन' के ठीक बराबर का दर्जा दे दिया। अब राष्ट्रगीत का अपमान करना भी उसी श्रेणी का दंडनीय अपराध बन गया है, जो राष्ट्रगान के अपमान पर होता है। इसके साथ ही सरकारी कार्यक्रमों में इसके सभी छह छंदों के गायन को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

इस ऐतिहासिक और स्वागत योग्य कदम पर भी कांग्रेस पार्टी ने जिस प्रकार की आपत्तियां तथा प्रतिक्रियाएं दर्ज कराईं, उसने देश को हैरान कर दिया। कांग्रेस के कई शीर्ष नेताओं ने इसे ₹सांस्कृतिक थोपने की नीति₹ और ₹विभाजनकारी एजेंडा₹ करार दिया। स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस के आयोजनों के दौरान जब वंदे मातरम् का पूर्ण गायन किया गया, तो कांग्रेस शासित राज्यों या कांग्रेस के मंचों पर इसके प्रति उदासीनता और कई जगहों पर तो विरोध के स्वर देखे गए। कांग्रेस का यह तर्क कि ₹किसी पर देशभक्ति थोपी नहीं जा सकती₹, वास्तव में राष्ट्रगीत के प्रति उनकी ऐतिहासिक अरुचि और वर्तमान राजनीतिक हताशा को दर्शाता है। जब देश का कानून और सर्वोच्च न्यायालय यह मान चुका है कि राष्ट्रगीत का सम्मान प्रत्येक नागरिक का मौलिक कर्तव्य है, तब कांग्रेस द्वारा इस पर राजनीति करना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है।

इस वैधानिक बदलाव के तुरंत बाद, शानिवार यानी 15 अगस्त 2026 को देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कांग्रेस मुख्यालय (इंदिरा भवन) में एक नया विवाद सामने आया। ध्वजारोहण समारोह के दौरान जब वंदे मातरम् का पूर्ण संस्करण बजाया जा रहा था, तब भाजपा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने इसे बीच में ही रोकने का इशारा किया, जिसे भाजपा प्रवक्ताओं और दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने राष्ट्रगीत का घोर अपमान और नए कानून का उल्लंघन बताते हुए माफी की मांग की। इसके विपरीत, कांग्रेस ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि मुख्यालय में राष्ट्रगीत का पूरा संस्करण गाया गया था और वहां हुआ इशारा केवल पार्टी अध्यक्ष के बैठने के लिए कुर्सी मंगाने को लेकर था। जयराम रमेश जैसे नेताओं ने ऐतिहासिक संदर्भों का हवाला देकर विवाद को टालने का प्रयास किया, लेकिन इस घटना ने संपादकीय विमर्श में कांग्रेस की राष्ट्रगीत के प्रति प्रतिबद्धता पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। वंदे मातरम् का विरोध या उसके प्रति उदासीनता वास्तव में भारत की मूल पहचान और उसकी सनातन संस्कृति के प्रति एक संकीर्ण दृष्टिकोण का परिणाम है। कांग्रेस ने स्वतंत्रता के बाद से ही देश के विमर्श को इस प्रकार मोड़ने का प्रयास किया कि बहुसंख्यक समाज की सांस्कृतिक अभिव्यक्तियां ₹सांप्रदायिक₹ लगने लगें और राष्ट्रगीत के प्रति सम्मान दिखाना किसी विशेष राजनीतिक विचारधारा का हिस्सा मान लिया जाए।

कांग्रेस द्वारा बार-बार वंदे मातरम् के मुद्दे पर रक्षात्मक होना या उसका परोक्ष विरोध करना यह साबित करता है कि पार्टी आज भी उसी 1937 वाली मानसिकता से ग्रसित है। आज का हिंदुस्तान बदल चुका है; यह वह भारत है जो अपनी जड़ों पर गर्व करता है। जब सेना के जवान सीमाओं पर 'वंदे मातरम्' के उद्घोष के साथ अपने प्राणों की आहुति दे देते हैं, जब अंतरिक्ष में तिरंगा फहराते समय वैज्ञानिक इस मंत्र को याद करते हैं, तब देश की संसद में बैठी कांग्रेस पार्टी का इसके वैधानिक दर्जे पर सवाल उठाना देश की जनता को स्वीकार्य नहीं है। हिंदुस्तान अब यह भली-भांति समझ चुका है कि कौन राष्ट्र के प्रतीकों के साथ खड़ा है और कौन राजनीतिक स्वार्थ के लिए उनके महत्व को धूमिल कर रहा है।

भारत वर्तमान में एक अभूतपूर्व सांस्कृतिक पुनर्जागरण के दौर से गुजर रहा है। अयोध्या में प्रभु श्री राम के भव्य मंदिर के निर्माण से लेकर काशी, उज्जैन के कायाकल्प और अब वंदे मातरम् को उसका वास्तविक वैधानिक अधिकार मिलने तक, देश अपनी खोई हुई सांस्कृतिक चेतना को पुनः प्राप्त कर रहा है। इस पुनर्जागरण में राष्ट्रगीत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह देश की भौगोलिक और आध्यात्मिक एकता को जोड़ता है।

वंदे मातरम् का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान₹ केवल एक नारा नहीं है, बल्कि यह उन सभी राजनीतिक शक्तियों के लिए चेतावनी है जो राष्ट्र के आत्मगौरव को कमजोर करना चाहती हैं। कांग्रेस को यह समझना होगा कि राष्ट्र के प्रतीक किसी दल, सरकार या विचारधारा की बपौती नहीं होते। वे पूरे राष्ट्र के होते हैं। यदि कांग्रेस आज भी तुष्टीकरण की राजनीति के चक्रव्यूह से बाहर निकलकर वंदे मातरम् को पूरे मन से स्वीकार नहीं कर पाती है, तो वह देश की मुख्यधारा के जनमानस से और अधिक दूर होती चली जाएगी। जनता अब राष्ट्र के अपमान और राष्ट्रीय गीतों पर की जाने वाली ओछी राजनीति को पूरी तरह खारिज करने के लिए संकल्पबद्ध हो चुकी है।

यह स्पष्ट करना अत्यंत आवश्यक है कि वंदे मातरम् का सम्मान किसी कानूनी मजबूरी से कहीं अधिक हमारी आंतरिक राष्ट्रभक्ति का विषय होना चाहिए। संसद द्वारा बनाया गया नया कानून उन लोगों के लिए एक कड़ा सबक है जो अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर राष्ट्र के प्रतीकों को लांछित करते थे। कांग्रेस सहित देश के सभी राजनीतिक दलों को यह समझना होगा कि सत्ता आती-जाती रहती है, सरकारें बदलती रहती हैं, परंतु राष्ट्र और राष्ट्र के प्रतीक शाश्वत रहते हैं।

हिंदुस्तान ने यह संदेश साफ तौर पर दे दिया है कि माँ भारती की वंदना में गाए जाने वाले इस पावन गीत का अपमान अब किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। चाहे वह संसद के भीतर की राजनीति हो या सड़कों पर होने वाला छद्म विमर्श, वंदे मातरम् की गूंज हर भारतीय के दिल में धड़कती रहेगी। अब समय आ गया है कि दलीय सीमाओं और वोट बैंक की चिंताओं से ऊपर उठकर, पूरा देश एक स्वर में कहे— वंदे मातरम्! क्योंकि इसी उद्घोष में भारत का अतीत, वर्तमान और गौरवशाली भविष्य समाहित है।

हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
मार्गदर्शन

विकसित भारत अब सपना नहीं, संकल्प की अग्निपरीक्षा

-सुरेश गांधी

आत्मनिर्भरता से विश्व नेतृत्व तक—मोदी के स्वतंत्रता दिवस भाषण में भारत को बाजार से निमार्ता, उपभोक्ता से सृजक और शक्ति से वैश्विक नेतृत्व की ओर ले जाने का रोडमैप. जी हां, लाल किले की प्राचीर पर लहराता तिरंगा हर वर्ष देश को उसके अतीत की याद दिलाता है, लेकिन इस बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संबोधन इतिहास से अधिक भविष्य की ओर मुखातिब दिखाई दिया। आजादी की आठ दशक लंबी यात्रा के पड़ाव से खड़े होकर उन्होंने उस भारत की तस्वीर उकेरने की कोशिश की, जिसकी पहचान केवल दुनिया के बड़े बाजार के रूप में नहीं, बल्कि उत्पादन, प्रतिभा, तकनीक, रक्षा, कृषि, नवाचार और संस्कृति की वैश्विक ताकत के रूप में हो। भाषण में उपलब्धियों का आत्मविश्वास था तो अधूरे लक्ष्यों की बेचैनी भी; आत्मनिर्भरता का आग्रह था तो विश्व से कदम मिलाकर चलने की आकांक्षा भी। सबसे महत्वपूर्ण यह कि विकसित भारत को सरकारी योजना से निकालकर नागरिक संकल्प का रूप देने की कोशिश दिखी। संदेश साफ था—2047 दूर का कोई स्वप्न नहीं, आज के फैसलों और आज की मेहनत से गढ़ी जाने वाली आने वाली पीढ़ियों की विरासत है।

लाल किले की प्राचीर से स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संबोधन महज सरकार की उपलब्धियों का लेखा-जोखा नहीं था। यह उस भारत की रूपरेखा खींचने का प्रयास था, जो आजादी की आठवीं दशक यात्रा पूरी करते हुए अगले 21 वर्षों में 2047 के विकसित भारत की मंजिल तक पहुंचना चाहता है। प्रधानमंत्री ने इस बार भाषण में अतीत की स्मृतियों के साथ भविष्य की बेचैनी को जोड़ा—और संदेश दिया कि अब भारत को छोटे लक्ष्य रखने की आदत छोड़कर वैश्विक स्तर पर बड़े लक्ष्य साधने होंगे। इस संबोधन का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यही रहा कि ह्यविकसित भारतह्न को केवल आर्थिक विकास का पर्याय नहीं बनाया गया। इसके केंद्र में उत्पादन, कृषि, तकनीक, आधारभूत ढांचा, रक्षा, हरित अर्थव्यवस्था, समुद्री शक्ति और भारतीय संस्कृति की वैश्विक प्रतिष्ठा—अर्थात विकास के सात व्यापक आयाम रखे गए। प्रधानमंत्री ने इन्हें सप्तधारा के रूप में सामने रखा।

आजादी की स्मृति से 2047 के संकल्प तक

लाल किले की प्राचीर पर तिरंगा केवल इतिहास का प्रतीक नहीं, भविष्य का ध्वज भी है। इस बार प्रधानमंत्री के भाषण में यही भाव बार-बार उभरता दिखाई दिया। स्वतंत्रता सेनानियों और क्रांतिकारियों के त्याग को नमन करते हुए उन्होंने देश को याद दिलाया कि आजादी केवल सत्ता परिवर्तन नहीं थी; यह आत्मनिर्णय का अधिकार था। अब उसी आत्मनिर्णय को आर्थिक, तकनीकी और सामरिक आत्मनिर्भरता में बदलना अगली पीढ़ी की जिम्मेदारी है। मोदी ने बड़े सपने देखने और दृढ़ संकल्प के साथ उन्हें पूरा करने पर जोर दिया। उनके भाषण का अंत भी इसी विचार पर हुआ—राष्ट्रहित को निजी हित से ऊपर रखने, औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्त होने और सामूहिक प्रयास से विकसित भारत बनाने का आह्वान।

सप्तधारा में दिखाई दिया नए भारत का नक्शा

इस भाषण की सबसे बड़ी संपादकीय विशेषता सप्तधारा की अवधारणा रही। यह महज सात घोषणाओं की सूची नहीं, बल्कि भारत की अगली विकास-यात्रा का व्यापक ढांचा है।

पहली धारा—निर्माण शक्ति।

भारत को केवल दुनिया का बड़ा बाजार बने रहना स्वीकार्य नहीं। प्रधानमंत्री ने घटक निर्माण से लेकर डिजाइन और अंतिम उत्पाद तक पूरी वैल्यू चेन भारत में विकसित करने की बात कही। लागत, गुणवत्ता और पैमाने को प्रतिस्पर्धा का आधार बनाते हुए उन्होंने भारतीय उत्पादों को विश्वसनीय वैश्विक पहचान दिलाने पर बल दिया। उनका क्वालिटी पर विशेष जोर बताता है कि आत्मनिर्भरता का अर्थ केवल देश में उत्पादन करना नहीं, बल्कि ऐसा उत्पादन करना है जिसे दुनिया खरीदना चाहे।

दूसरी धारा—कृषि और खाद्य उत्पादन।

खेती को खेत की मेड़ से वैश्विक बाजार तक ले जाने का विचार भाषण में स्पष्ट दिखाई दिया। मोटा अनाज, मसाले, फल, फूल और पारंपरिक भारतीय खाद्य उत्पादों को वैश्विक ब्रांड बनाने की बात कृषि को केवल खाद्यान्न उत्पादन से आगे बढ़ाकर निर्यात और ब्रांड अर्थव्यवस्था से जोड़ती है। रसायन-मुक्त खेती और वैश्विक मानकों पर जोर भी इसी बदलाव का संकेत है।

तीसरी धारा—तकनीक और नवाचार।

एआई, क्वांटम, अंतरिक्ष, रोबोटिक्स, डेटा सेंटर और 6जी जैसे क्षेत्र बताते हैं कि अगले भारत की लड़ाई केवल कारखानों में नहीं, प्रयोगशालाओं और डिजिटल दुनिया में भी होगी। प्रधानमंत्री का संदेश साफ था—भारत दुनिया का केवल उपभोक्ता न बने, बल्कि नवाचार का केंद्र बने।

चौथी धारा—गति शक्ति।

तेज रेल, आधुनिक राजमार्ग, जलमार्ग, हवाई अड्डे और मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स को विकास की धमनियों के रूप में देखा गया। बंदरगाहों को केवल माल चढ़ाने-उतारने के केंद्र के बजाय आर्थिक विकास के इंजन के रूप में विकसित करने का विचार इस दृष्टि को और व्यापक बनाता है।

पांचवीं धारा—रक्षा शक्ति।

आत्मनिर्भर रक्षा अब केवल आयात घटाने की नीति नहीं, बल्कि भारत को वैश्विक रक्षा आपूर्तिकर्ता बनाने की महत्वाकांक्षा है। ड्रोन, काउंटर-ड्रोन, हाइपरसोनिक तकनीक और साइबर सुरक्षा जैसे क्षेत्रों का उल्लेख बताता है कि सुरक्षा की परिभाषा भी बदल रही है।

छठी धारा—हरित और नीली अर्थव्यवस्था।

ग्रीन हाइड्रोजन, अक्षय ऊर्जा, ऊर्जा भंडारण, हरित गतिशीलता के साथ समुद्र आधारित अर्थव्यवस्था पर जोर बताता है कि विकास और पर्यावरण को एक-दूसरे का विरोधी मानने की पुरानी धारणा से आगे बढ़ने का प्रयास है।

सातवीं धारा—भारत की सॉफ्ट पावर।

योग, आयुर्वेद, समग्र स्वास्थ्य, हस्तशिल्प, सिनेमा, वीएफएक्स, एनीमेशन, गेमिंग और डिजिटल कंटेंट को दुनिया तक पहुंचाने की बात भारत की सांस्कृतिक शक्ति को आर्थिक शक्ति में बदलने की कोशिश है। यह वह क्षेत्र है जहां भारत बिना किसी सैन्य शक्ति के भी दुनिया में अपना प्रभाव बढ़ा सकता है।

सबसे बड़ा बदलाव—छोटा सोचने से इनकार

भाषण का एक उल्लेखनीय पक्ष प्रधानमंत्री का बड़े लक्ष्यों पर जोर रहा। उन्होंने सवाल उठाया कि भारत में दुनिया की शीर्ष 500 कंपनियों में 50 कंपनियां क्यों नहीं हो सकतीं? कोई भारतीय बैंक दुनिया के शीर्ष पांच बैंकों में क्यों नहीं आ सकता? भारतीय फार्मा कंपनियां, कानून फर्म, रेटिंग एजेंसियां, कंसल्टिंग कंपनियां और टेक्नोलॉजी कंपनियां विश्व की अग्रणी संस्थाओं में क्यों नहीं गिनी जानी चाहिए?

यही वह बिंदु है जहां भाषण सरकारी योजनाओं की सीमा से बाहर निकलकर राष्ट्रीय मनोविज्ञान को संबोधित करता है। भारत की सबसे बड़ी चुनौती केवल संसाधनों की नहीं, आकांक्षाओं के पैमाने की भी है। प्रधानमंत्री का संदेश था कि जब देश के पास प्रतिभा, बाजार, जनशक्ति और तकनीकी क्षमता है तो लक्ष्य भी उसी अनुपात में बड़े होने चाहिए।

आत्मनिर्भरता का अर्थ दुनिया से दूरी नहीं

मोदी के भाषण में आत्मनिर्भरता को संरक्षणवाद की दीवार की तरह नहीं, वैश्विक प्रतिस्पर्धा की तैयारी की तरह प्रस्तुत किया गया। मेक इन इंडिया और वोकल फॉर लोकल के साथ वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भरोसेमंद केंद्र बनने की बात इसी विरोधाभास को दूर करती है। अर्थात संदेश यह नहीं कि भारत दुनिया से कट जाए; संदेश यह है कि भारत दुनिया से जुड़े, लेकिन अपनी क्षमता के बल पर। यही अंतर आत्मनिर्भरता की अवधारणा को अधिक महत्वाकांक्षी बनाता है।

भाषण में उपलब्धियों का आईना भी

प्रधानमंत्री ने पिछले 12 वर्षों में विनिर्माण, डिजिटल अर्थव्यवस्था, बुनियादी सुविधाओं, ऊर्जा, रक्षा, रेलवे, शिक्षा, स्टार्टअप और सामाजिक सुरक्षा में हुए बदलावों को भी सामने रखा। सरकारी आंकड़ों के अनुसार रक्षा उत्पादन लगभग चार गुना, इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन करीब सात गुना, मोबाइल फोन उत्पादन करीब 35 गुना और आधुनिक रेल कोच उत्पादन करीब 21 गुना बढ़ा है। डिजिटल लेनदेन में लगभग 100 गुना वृद्धि का भी उल्लेख किया गया।

सेमीकंडक्टर, सौर ऊर्जा, गैस वितरण, रेलवे विद्युतीकरण और रक्षा निर्यात जैसे क्षेत्रों को भी उन्होंने बदलते भारत की तस्वीर के प्रमाण के रूप में प्रस्तुत किया।

इन आंकड़ों का राजनीतिक महत्व अपनी जगह है, लेकिन संपादकीय दृष्टि से इनका बड़ा अर्थ यह है कि भाषण का केंद्र क्या किया गया से आगे बढ़कर ह्यअब क्या हासिल करना है पर था।

युवा—भाषण के केंद्र में भारत का भविष्य

इस बार युवा केवल भाषण के श्रोता नहीं, भविष्य के निमार्ता के रूप में सामने आए। एआई प्रशिक्षण, ऑनलाइन परीक्षा कोचिंग, स्टार्टअप, शोध, अंतरिक्ष, ड्रोन, खेल और नई तकनीकों को लेकर प्रधानमंत्री ने युवाओं के लिए अवसरों का विस्तृत खाका रखा। विशेष रूप से एक वर्ष में एक करोड़ युवाओं को एआई प्रशिक्षण देने की घोषणा भविष्य की अर्थव्यवस्था में कौशल की बदलती प्रकृति का संकेत है।

यहां भाषण का एक गहरा संदेश छिपा है—2047 का भारत आज के युवाओं के हाथों बनेगा। इसलिए विकसित भारत का सबसे बड़ा निवेश इमारतों में नहीं, मानव क्षमता में होना चाहिए।

नशामुक्त भारत और सामाजिक जिम्मेदारी

प्रधानमंत्री ने नशे को युवाशक्ति के सामने बड़ी चुनौती बताते हुए नशामुक्त भारत को केवल सरकारी अभियान न मानकर हर परिवार की जिम्मेदारी बनाने का आह्वान किया। 100 सप्ताह के अभियान में स्वयंसेवी संगठनों, सामाजिक-सांस्कृतिक संस्थाओं और आध्यात्मिक संगठनों की भागीदारी का उल्लेख इसी सामाजिक भागीदारी की ओर संकेत करता है। यह भाषण के आर्थिक और तकनीकी विमर्श के बीच एक सामाजिक विराम जैसा था—मानो संदेश हो कि विकसित राष्ट्र केवल ऊंची जीडीपी से नहीं बनता; उसके लिए स्वस्थ, जिम्मेदार और जागरूक समाज भी चाहिए।

महिलाओं की भागीदारी पर राजनीतिक दलों को संदेश

महिला आरक्षण को लागू करने के लिए सभी राजनीतिक दलों से मिलकर आगे बढ़ने का आह्वान भी भाषण का महत्वपूर्ण राजनीतिक संदेश रहा। प्रधानमंत्री ने संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की 33 प्रतिशत भागीदारी को जल्द सुनिश्चित करने की बात कही।

यह विषय केवल प्रतिनिधित्व का नहीं, नीति निर्माण में आधी आबादी की निर्णायक भागीदारी का है।

राष्ट्रहित बनाम स्वार्थ—भाषण का नैतिक पक्ष

भाषण के अंतिम हिस्से में प्रधानमंत्री ने पंच प्रण की याद दिलाते हुए राष्ट्रहित को निजी हित से ऊपर रखने और कर्तव्य को जीवन की पहचान बनाने की बात कही। यही वह बिंदु है जहां आर्थिक नीति का भाषण नागरिक आचरण के भाषण में बदल जाता है।

क्योंकि कोई भी सरकार अकेले विकसित भारत नहीं बना सकती। सड़क सरकार बना सकती है, लेकिन उस सड़क पर अनुशासन नागरिक को रखना होगा। कारखाना सरकार की नीति से लग सकता है, लेकिन गुणवत्ता उद्योग को सुनिश्चित करनी होगी। स्टार्टअप को नीति का सहारा मिल सकता है, लेकिन नवाचार युवा को करना होगा। कृषि को बाजार मिल सकता है, लेकिन वैश्विक गुणवत्ता किसान को अपनानी होगी। अर्थात विकसित भारत अंततः सरकार की योजना से अधिक समाज की सामूहिक परियोजना है।

जहां भाषण को कसौटी पर भी कसना होगा

किसी लोकतांत्रिक प्रधानमंत्री के भाषण की वास्तविक परीक्षा तालियों से नहीं, उसके बाद के क्रियान्वयन से होती है। बड़े लक्ष्य आकर्षक होते हैं, लेकिन बड़े लक्ष्य प्रशासनिक दक्षता, संघीय सहयोग, पूंजी, कौशल, रोजगार, शिक्षा की गुणवत्ता और संस्थागत क्षमता की कठिन परीक्षा भी लेते हैं। सप्तधारा का विचार व्यापक है, लेकिन इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि घोषित प्राथमिकताएं कितनी तेजी से जमीन पर उतरती हैं और उनका लाभ देश के अंतिम व्यक्ति तक किस रूप में पहुंचता है। यही वह जगह है जहां लाल किले का भाषण आने वाले वर्षों के लिए सरकार और समाज—दोनों के सामने जवाबदेही का दस्तावेज भी बन जाता है।

डिमाजी नक्सल की चेतावनी—भाषण का सबसे विवादास्पद अध्याय

भाषण में नक्सल-माओवादी हिंसा के कमजोर पड़ने और प्रभावित क्षेत्रों में शांति तथा विकास की बात के साथ प्रधानमंत्री ने वैचारिक स्तर पर मौजूद खतरे की भी चेतावनी दी। ह्यडिमाजी नक्सलह्न जैसे शब्दों ने भाषण के इस हिस्से को सबसे अधिक राजनीतिक बहस वाला बना दिया।समर्थकों की दृष्टि में यह हिंसक विचारधारा के वैचारिक आधार पर प्रहार है, जबकि आलोचक इसे असहमति और वैचारिक विरोध को संदेह की दृष्टि से देखने की प्रवृत्ति मान सकते हैं। यही लोकतंत्र की जटिलता है—राष्ट्र की सुरक्षा और लोकतांत्रिक असहमति के बीच संतुलन हमेशा जरूरी रहेगा।

लाल किले से निकला असली संदेश

इस बार के भाषण को यदि एक वाक्य में समेटना हो तो उसका सार शायद यह है—

भारत अब विकास की गति बढ़ाने भर की बात नहीं कर रहा; वह विकास की परिभाषा का पैमाना बदलने की तैयारी कर रहा है।

2014 के बाद की यात्रा को उपलब्धियों के आईने में देखने के साथ प्रधानमंत्री ने 2047 के भारत की कल्पना को अगले चरण में पहुंचाने की कोशिश की है। विनिर्माण से एआई तक, खेत से वैश्विक बाजार तक, समुद्र से अंतरिक्ष तक, रक्षा से सॉफ्ट पावर तक—भाषण ने भारत की शक्ति को अनेक धाराओं में देखने का प्रयास किया। लेकिन इतिहास में भाषणों की चमक कुछ समय बाद धुंधली पड़ जाती है। टिकता वही है जिसे राष्ट्र अपने श्रम से साकार करता है। इसलिए लाल किले की प्राचीर से आज की सबसे बड़ी पुकार केवल विकसित भारत की नहीं थी।

यह पुकार थी—बड़े सपने देखो, उन्हें संकल्प में बदलो और संकल्प को परिणाम में बदलने का साहस करो।

आजादी की पहली पीढ़ी ने भारत को स्वतंत्र कराया था।

अब अगली पीढ़ी के सामने भारत को सक्षम, समृद्ध, आत्मनिर्भर और विश्व-नेतृत्वकारी राष्ट्र बनाने की चुनौती है। तिरंगे की छाया में दिया गया यह भाषण इसलिए एक सरकारी संबोधन भर नहीं, बल्कि 2047 की ओर बढ़ते भारत के लिए एक राजनीतिक-सामाजिक संकल्प-पत्र की तरह पढ़ा जाएगा। लाल किले से इस बार इतिहास ने पीछे मुड़कर कम देखा—आगे देखने की बेचैनी अधिक दिखाई दी।

मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस बल के 25 अधिकारी-कर्मचारी पदकों से सम्मानित

15 अगस्त पर उत्कृष्ट एवं विशिष्ट सेवा के लिए पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों का हुआ सम्मान

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। भारत के 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय के 25 पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनकी दीर्घकालीन, उत्कृष्ट एवं निष्कलंक सेवा के लिए भारत सरकार, गृह मंत्रालय तथा महाराष्ट्र पुलिस की ओर से सेवा पदकों से सम्मानित किया गया। 15 अगस्त 2026 को आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय के पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक के हाथों संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पदक प्रदान किए गए। 25 वर्षों की सेवा पर विशिष्ट सेवा पदक 25 वर्षों की उत्कृष्ट एवं निरंतर सेवा पूर्ण करने वाले अधिकारियों में संजय शिन्त्रे, गणपत दिनकर पिंगले, समीर नारायण सालुंखे, राजेंद्र गणपतराव कांबले, सतीश दिनकर निकम, कमलाकर कृष्णाजी चस्कर, जनार्दन लाडकु तथा प्रमोद नारायण जाधव सहित अधिकारियों को विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया गया। इन अधिकारियों ने पुलिस आयुक्तालय, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कार्यालय, मीरा रोड विभाग, पुलिस संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, काशीमीरा, अनाला, उत्तान एवं अन्य पुलिस इकाइयों में उल्लेखनीय सेवाएं प्रदान की हैं। इसके अलावा मुकेश गणपत पवार, मनोहर बालासाहेब तावरे तथा प्रदीप नामदेव विन्दे को भी 25 वर्ष की सेवा के लिए पदक प्रदान किया गया। 15 वर्ष की सेवा पर उत्कृष्ट सेवा पदक

15 वर्षों की उत्कृष्ट सेवा पूर्ण करने वाले पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया। इनमें पुलिस उपायुक्त संदीप डोईफोडे, पुलिस निरीक्षक प्रमोद अशोक बडाख, पुलिस निरीक्षक सुजीत कुमार तुकाराम गुजंकर, सहायक पुलिस निरीक्षक दत्तात्रेय बालू स्लाइड, पुलिस उपनिरीक्षक तुषार सुरेश जगताप, अभिजीत दिलीप लांडे, उज्वल भास्कर आरके, मनोज नारायण मोरे, प्रफुल्ल अनंत पाटिल, प्रदीप दत्ताराम प्रतिशत, मधुकर अनंत सावंत, पुलिस कांस्टेबल संदीप रघुनाथ जाधव तथा महिला पुलिस कांस्टेबल शितल सचिन शिंगोटे शामिल हैं। इन अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अपराध शाखा, वसई ट्रांसपोर्ट, काशीगांव पुलिस स्टेशन, पुलिस आयुक्तालय मुख्यालय, विरार पुलिस स्टेशन, लाइसेंस शाखा तथा नशीली दवाओं के खिलाफ दस्ते सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विभागों में सेवाएं दी हैं।

वरिष्ठ अधिकारियों ने दी बधाई मीरा-भायंदर, वसई-विरार के पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक एवं अतिरिक्त पुलिस आयुक्त संजय शिन्त्रे ने पदक प्राप्त करने वाले सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी।

वरिष्ठ अधिकारियों ने उनके समर्पण, कर्तव्यनिष्ठा और दीर्घकालीन सेवा की सराहना करते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पुलिस बल के इन अधिकारियों एवं कर्मचारियों को मिला सम्मान उनके वर्षों के अनुशासन, मेहनत और जनसेवा के प्रति समर्पण का गौरवपूर्ण प्रमाण माना जा रहा है।

लोकमान्य तिलक हाई स्कूल में नशा मुक्त परिसर और नशे से दूर रहने का संकल्प लिया गया

मुंबई। चेंबूर तिलक नगर के लोकमान्य तिलक हाई स्कूल में 80 वा स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में तिलक नगर पुलिस थाने के पुलिस अधिकारी, विद्यालय के शिक्षक और विद्यार्थियों ने नशे से दूर रहने, नशा मुक्त परिसर करना और समाज में बड़ी तेजी से फैल रही इस बुराई को समाप्त करने का संकल्प लिया। प्रारंभ में 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विद्यालय की वरिष्ठ शिक्षिका सुनीता जयप्रकाश, पुलिस निरीक्षक पगारे मैडम और पुलिस निरीक्षक अमोल पाटिल के करकमलों द्वारा ध्वजारोहण कर झंडे को सलामी दी गई। ध्वजारोहण समारोह के अवसर पर लोकमान्य तिलक हाई स्कूल के उपाध्यक्ष लक्ष्मीशा सालियन महासचिव सुभाष मराठे निमगांवकर समिति सदस्य जोसेफ एलेक्स, माध्यमिक विभाग की मुख्याध्यापिका श्रीमती तसनीम खुर्शीद, प्राथमिक विभाग की मुख्याध्यापिका कुमुद गडले सहित शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मचारी, विद्यार्थी, तिलक नगर पुलिस थाने के पुलिस कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। इस दौरान उपस्थित सभी लोगों ने नशे से दूर रहने , नशा मुक्त परिसर करना और समाज में तेजी से फैल रही इस बीमारी को जड़ से उखाड़ फेंकने का संकल्प लिया।

विधायक पर पत्रकार को धमकी देने का आरोप, महाराष्ट्र राज्य मराठी पत्रकार संघ ने किया विरोध

जुन्नर। जुन्नर तहसील के अजनावले स्थित आश्रमशाला में अदाणी परियोजना से प्रभावित किसानों की बैठक के दौरान विधायक शरद सोनवणे द्वारा पत्रकार सुरेश वाणी के साथ कथित तौर पर अभद्र भाषा का इस्तेमाल कर धमकी देने का आरोप लगाया गया है। इस घटना पर महाराष्ट्र राज्य मराठी पत्रकार संघ ने कड़ा विरोध जताते हुए सार्वजनिक रूप से निषेध किया है। आरोप है कि बैठक के दौरान विधायक ने पत्रकार सुरेश वाणी को संबोधित करते हुए 15 अगस्त के बाद उन्हें देख लेने जैसी धमकी दी। साथ ही पत्रकारों के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी किए जाने का भी आरोप है। महाराष्ट्र राज्य मराठी पत्रकार संघ के राज्य महासचिव डॉ. विश्वासराव आरोटे ने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र का महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। जनसमस्याओं को सामने रखना और जनप्रतिनिधियों से सवाल करना उनका अधिकार और जिम्मेदारी है। पत्रकारों को धमकाना या उनका अपमान करना किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। संघ ने मांग की है कि विधायक शरद सोनवणे पत्रकारों से सार्वजनिक रूप से माफी मांगते हुए कथित बयान वापस लें। ऐसा नहीं होने पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री सुनीता पवार को ज्ञापन देकर राज्यव्यापी आंदोलन करने की चेतावनी दी गई है। पत्रकारों की स्वतंत्रता, सम्मान और सुरक्षा के लिए संगठन ने मजबूती से खड़े रहने का संकल्प व्यक्त किया है।

उत्तर क्षेत्रीय संस्था द्वारा धूमधाम से मनाया गया 80वां स्वतंत्रता दिवस

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। उत्तर क्षेत्रीय संस्था की ओर से शनिवार 15 अगस्त 2026 को देश का 80वां स्वतंत्रता दिवस बड़े उत्साह व देशभक्तिमय वातावरण में मनाया गया। पालघर जिले के पास्थल ग्राम पंचायत अंतर्गत बोईसर-तारापुर रोड स्थित इंद्रप्रस्थ पेट्रोल पंप परिसर में आयोजित समारोह में वरिष्ठ समाजसेवी एड. शोभनाथ त्रिपाठी के हाथों ध्वजारोहण किया गया। ध्वजारोहण के बाद उपस्थित सभी लोगों ने सामूहिक रूप से राष्ट्रगान गाया तथा राष्ट्रध्वज को सलामी दी। इस अवसर पर भारत माता की जय और वंदे मातरम्‌ के गगनभेदी नारों से परिसर देशभक्ति के रंग में रंग गया। कार्यक्रम के पश्चात उत्तर क्षेत्रीय संस्था के अध्यक्ष अरविंद सिंह क्षत्रिय ने उपस्थित लोगों का मुंह मीठा कराया। सभी ने एक-दूसरे को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए देश की एकता, अखंडता एवं प्रगति के लिए संकल्प व्यक्त किया। स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान संस्था की ओर से पत्रकार ओमप्रकाश द्विवेदी का जन्मदिन भी उत्साहपूर्वक मनाया गया। उपस्थित पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ एवं दीघार्यु जीवन की कामना की। समारोह में तारापुर एपीआई प्रविण वसंतराव देशमुख अपनी पूरी टीम के साथ उपस्थित रहे। इसके अलावा डीवाईएसपी ऑफिस के सहा. पुलिस उपनिरीक्षक सखाराम राठौड़ सहित पुलिस विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। इस अवसर पर उत्तर क्षेत्रीय संस्था के अध्यक्ष अरविंद सिंह क्षत्रिय, हनुमान सिंह, सज्जनलाल गुप्ता, एड. शोभनाथ त्रिपाठी, घनश्याम सिंह, रामनरेश यादव, सुभाष सिंह, प्रदीप सिंह, नंदन मिश्रा, बृजेश पांडेय, बी.एन. सिंह,एस एस तिवारी, रोहित सिंह, पत्रकार रामप्रकाश निराला सहित संस्था के अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे।

भाजपा नगरसेवक नवीन सिंह एवं पत्नी माया देवी का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया

मीरा रोड (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड वार्ड क्रमांक 16 के भाजपा नगरसेवक नवीन सिंह एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती माया देवी नवीन सिंह का जन्मदिन शुक्रवार, 14 अगस्त को हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर उनके जनसंपर्क कार्यालय में शाम 6 बजे केक काटकर दोनों को जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं। जन्मदिन समारोह में भाजपा के स्थानीय नेता,पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं नगरसेवक के बड़ी संख्या में समर्थक और मित्रगण उपस्थित रहे। उपस्थित लोगों ने नवीन सिंह एवं माया देवी को स्वस्थ, सुखी एवं दीघार्यु जीवन की शुभकामनाएं दीं, समर्थकों ने दी शुभकामनाएं। समारोह में अमोल पाटील, नंदलाल चौबे, श्वेता शिंदे, संगम पांडेय, निकिता जैन, सुनीता पगधल, राज सैदाने, अभिजीत उपरकर, गणेश दुबे, सचिन धुमक,

संदीप पांडेय, संजय तिवारी, देवीप्रसाद मिश्रा, वीरेंद्र सिंह, कृष्ण सिंह, राजेश तिवारी, विजय सिंह, सौरभ सिंह, सी.के. शर्मा, गिरीश पांडेय, अखिलेश मिश्रा, जवाहर प्रजापति, सुरेंद्र यादव, मनोज सिंह, मूलशंकर सिंह, कैलाश दुबे एवं बाबा मिश्रा सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक एवं शुभचिंतक उपस्थित रहे। समारोह के दौरान कार्यकताओं एवं समर्थकों में खासा उत्साह देखने को मिला। सभी ने मिलकर जन्मदिन का जश्न मनाया और नवीन सिंह एवं माया देवी के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

पुलिस उपायुक्त जोन-1 की पहल: 2.36 करोड़ रुपये की जब्त संपत्ति नागरिकों को लौटाई

◆स्वतंत्रता दिवस पर शिकायतकताओं और गवाहों को पुलिस ने लौटाई सोने की वस्तुएं, नकदी व अन्य जब्त सामग्री

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। भारत के 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय की ओर से नागरिकों को बड़ी राहत प्रदान की गई। पुलिस उपायुक्त जोन-1 के अंतर्गत विभिन्न आपराधिक मामलों में जब्त की गई कुल 2 करोड़ 36 लाख 87 हजार 489 रुपये मूल्य की संपत्ति संबंधित शिकायतकताओं एवं गवाहों को विधिवत वापस की गई। 15 अगस्त 2026 को आयोजित कार्यक्रम में पुलिस उपायुक्त राहुल चव्हाण (बीपीएस) के हाथों प्रतिनिधि स्वरूप नागरिकों को जब्त की गई कीमती वस्तुएं सौंपी गईं। लंबे समय से आपराधिक मामलों की जांच और न्यायिक प्रक्रिया के कारण पुलिस के पास सुरक्षित रखी गई संपत्ति वापस मिलने से संबंधित नागरिकों के चेहरे पर खुशी दिखाई दी। सोने सहित करोड़ों की संपत्ति वापस पुलिस के अनुसार वापस की गई संपत्ति में सोने के आभूषण, आपराधिक मामलों में जब्त नकदी तथा साइबर अपराधों से संबंधित जब्त सामग्री शामिल थी। जब्त की गई सोने की वस्तुओं का कुल वजन लगभग 813.88 ग्राम बताया गया है। विभिन्न मामलों में जब्त संपत्ति की कुल कीमत 2,36,87,489 आंकी गई। पुलिस विभाग की इस कार्रवाई से यह संदेश गया कि अपराधों की जांच के साथ-साथ जब्त संपत्ति को उसके वास्तविक हकदारों तक पहुंचाना भी पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में आयोजन इस कार्यक्रम का आयोजन पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त संजय शिन्त्रे तथा पुलिस उपायुक्त जोन-1 राहुल चव्हाण के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम में संभागीय सहायक पुलिस आयुक्तों तथा जोन-1 के विभिन्न पुलिस थानों के प्रभारी अधिकारियों ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ पत्रकार और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर करोड़ों रुपये की जब्त संपत्ति नागरिकों को वापस किए जाने की पुलिस की पहल की उपस्थित लोगों ने सराहना की।

भिवंडी मनपा में महापौर के हाथों किया गया ध्वजारोहण

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भारत के 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भिवंडी मनपा परिसर में स्वतंत्रता दिवस समारोह उत्साहपूर्वक मनाया गया। महापौर नारायण रतन चौधरी के शुभहस्ते ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर मनपा आयुक्त अनमोल सागर (भाप्रसे), उपमहापौर तारिक अब्दुल बारी मोमीन, स्थायी समिति सभापति एडवोकेट ईशा मिस्बाह इमरान खान, अतिरिक्त आयुक्त विठ्ठल डाके सहित विभिन्न प्रभाग समितियों के सभापति, नगरसेवक, पूर्व नगरसेवक, अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। समारोह को संबोधित करते हुए महापौर नारायण चौधरी ने कहा कि जल्द ही भिवंडी शहर में इलेक्ट्रिक बस सेवा शुरू होने जा रही है, जिससे नागरिकों को कम खर्च में यात्रा का विकल्प उपलब्ध होगा। उन्होंने बताया कि महिला सशक्तीकरण के तहत 500 महिलाओं को प्रशिक्षण दिया गया है। साथ ही मनपा के विद्यार्थियों को भारतीय संसद और राष्ट्रपति भवन की कार्यप्रणाली की जानकारी देने के उद्देश्य से दिल्ली में शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया है। महापौर ने शहर के युवाओं से नशे से दूर रहकर स्वस्थ जीवन अपनाने और शहर के विकास में योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने नागरिकों से गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग करने तथा स्वच्छ भिवंडी अभियान में

सहयोग करने की अपील भी की। इसके बाद महापौर ने आयुक्त अनमोल सागर के साथ मनपा परिसर स्थित भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की पूणार्कृति प्रतिमा पर पुष्पहार अर्पित कर अभिवादन किया। उपमहापौर तारिक मोमीन ने मनपा की पुरानी इमारत के समीप स्थित डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की अर्धप्रतिमा पर माल्यार्पण किया। अतिरिक्त आयुक्त विठ्ठल डाके एवं मुख्य लेखा व वित्त अधिकारी रामप्रसाद सोलुंके ने हुतात्मा स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर शहीदों को नमन किया। वहीं स्थायी समिति सभापति एडवोकेट ईशा मिस्बाह इमरान खान ने पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी की अर्धप्रतिमा पर पुष्पहार अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

आशीर्वाद एजुकेशनल कैंपस में हर्षोल्लास से मनाया गया 80वां स्वतंत्रता दिवस

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। नागांव-चाविंद्रा स्थित आशीर्वाद एजुकेशनल कैंपस में देश का 80वां स्वतंत्रता दिवस बड़े उत्साह, उमंग और देशभक्ति के वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम में आशीर्वाद हिंदी हाई स्कूल, शांतिदेवी वीरेंद्र प्रताप सिंह हिंदी प्राथमिक विद्यालय तथा डॉ. डी.एस. पालीवाल इंग्लिश हाई स्कूल एंड जूनियर कॉलेज के विद्यार्थियों और शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक सहभाग लिया। कार्यक्रम में प्रभाग समिति क्रमांक-1 के सभापति हसनैन फारूकी ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर प्रभाग समिति क्रमांक-2 के सभापति जाकिर मिर्जा, स्थानीय नगरसेविका साहिना सिद्दीकी के प्रतिनिधि साजू सिद्दीकी, नगरसेवक सैफुल्लाह अंसारी और नगरसेवक आतिफ खान सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सरस्वती पूजन विद्यालय के चेयरमैन वी.के. सिंह ने किया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों ने हिंदी, मराठी और अंग्रेजी भाषाओं में देशभक्ति से ओतप्रोत भाषण प्रस्तुत किए तथा देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति देकर

उपस्थित लोगों का उत्साह बढ़ाया। सभापति हसनैन फारूकी ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए उन्हें देश के प्रति अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक किया। विद्यालय के मुख्याध्यापक दीपक सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए स्वच्छता और शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने घर और आसपास के परिसर को स्वच्छ रखने की जिम्मेदारी निभानी चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से शिक्षा को जीवन में सफलता का आधार बनाकर आगे बढ़ने का आह्वान किया।स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विद्यालय की ओर से भव्य तिरंगा रैली भी निकाली गई। रैली गायत्री नगर पुलिस चौकी से शुरू होकर अनमोल होटल, एसटी स्टैंड, वंजारपट्टी नाका, चाविंद्रा गांव और रामनगर होते हुए विद्यालय परिसर में पहुंची। रैली में विद्यार्थियों ने हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति के नारे लगाए। तिरंगे से सजे इस जुलूस ने पूरे क्षेत्र में देशभक्ति का माहौल बना दिया। रैली को देखकर स्थानीय नागरिकों ने विद्यार्थियों और विद्यालय प्रशासन की सराहना की।कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्याध्यापक दीपक सिंह सहित विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं शिक्षकेतर कर्मचारियों का विशेष योगदान रहा।

अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड पूर्व प्रधानमंत्री, प्रखर वक्ता, कवि एवं वरिष्ठ राजनेता भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि के अवसर पर मीरा रोड वार्ड क्रमांक 16 के भाजपा नगरसेवक नवीन सिंह के संपर्क कार्यालय में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य नागरिकों एवं भाजपा कार्यकताओं ने अटल बिहारी वाजपेयी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी और उनके राष्ट्रसेवा के योगदान को याद किया। अटल बिहारी वाजपेयी का जन्म 25 दिसंबर 1924 को हुआ था और उनका निधन 16 अगस्त 2018 को हुआ। वे भारत के दसवें प्रधानमंत्री रहे और तीन बार इस पद की जिम्मेदारी संभाली। पहली बार उन्होंने 16 मई 1996 से 1 जून 1996 तक प्रधानमंत्री के रूप में कार्य

किया। इसके बाद 19 मार्च 1998 से 13 अक्टूबर 1999 तथा फिर 13 अक्टूबर 1999 से 22 मई 2004 तक उन्होंने देश का नेतृत्व किया। वाजपेयी जी एक प्रखर वक्ता, हिंदी कवि और पत्रकार भी थे। वे भारतीय जनसंघ के संस्थापकों में शामिल रहे और वर्ष 1968 से 1973 तक जनसंघ के अध्यक्ष रहे। उन्होंने राष्ट्रधर्म, पांचजन्य और वीर अर्जुन जैसी पत्र-पत्रिकाओं के संपादन के माध्यम से भी राष्ट्रवादी विचारधारा को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पुण्यतिथि के अवसर पर बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने अटल बिहारी वाजपेयी के आदर्शों और राष्ट्र के प्रति उनके समर्पण को स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

पालघर जिला परिषद में मनाया गया 80वां स्वतंत्रता दिवस

नशामुक्ति, जलसंवर्धन व महिला सुरक्षा की दिलाई गई शपथ

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिला परिषद पालघर में शनिवार 15 अगस्त 2026 को 80वां स्वतंत्रता दिवस उत्साहपूर्ण वातावरण में मनाया गया। जिला परिषद के प्रशासक तथा मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे के हाथों ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रध्वज को मानवंदना दी गई और उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने राष्ट्रगान के माध्यम से राष्ट्र के प्रति सम्मान व्यक्त किया।

इस अवसर पर देश की आजादी के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धापूर्वक याद किया गया। राष्ट्र के विकास में प्रशासन की भूमिका तथा नागरिकों के प्रति अपनी जिम्मेदारी को ध्यान में रखते हुए लोकाभिमुख एवं संवेदनशील प्रशासन के लिए कार्य करने का संकल्प भी लिया गया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिला परिषद के विभिन्न विभागों की ओर से सामाजिक सरोकार से जुड़ी शपथ दिलाई गई। समाज कल्याण विभाग की ओर से नशामुक्ति की शपथ ली गई। वहीं जलसंवर्धन विभाग की ओर से पानी रोको, पानी जमीन में उतारो की अवधारणा के साथ मिट्टी एवं जल संरक्षण, पानी का किफायती उपयोग तथा जलसंवर्धन गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी का संकल्प लिया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम से संबंधित POSH अधिनियम, 2013 के तहत शपथ ली गई। इसमें महिलाओं के साथ समानता, सम्मान एवं संवेदनशीलता से व्यवहार करने, सहकर्मियों को भी इसी भावना के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित करने तथा POSH कानून, संबंधित नीतियों और SHe-Box पोर्टल के प्रति जागरूकता बढ़ाने का संकल्प लिया गया। अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सुरक्षित, सम्मानजनक और यौन उत्पीड़न मुक्त कार्यस्थल के निर्माण के लिए निरंतर प्रयास करने की प्रतिबद्धता जताई। समारोह में उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (सामान्य प्रशासन) इजाज अहमद शरीक मसलत, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (पंचायत) अशोक पाटील सहित जिला परिषद के विभिन्न विभागों के प्रमुख, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

उत्तरशक्ति

* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

केवट सामाजिक सेवा फाउंडेशन व शिव तेज मित्र चैरिटेबल ट्रस्ट ने धूमधाम से मनाया स्वतंत्रता दिवस

पालघर (उत्तरशक्ति)। केवट सामाजिक सेवा फाउंडेशन एवं शिव तेज मित्र चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से शनिवार, 15 अगस्त 2026 को पालघर जिले के बोईसर शहर अंतर्गत धर्मनगरी आजाद नगर में काशी विश्वनाथ मंदिर एवं शीतला माता मंदिर के समीप देश का 80वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

कार्यक्रम का आयोजन केवट सामाजिक सेवा फाउंडेशन एवं शिव तेज मित्र चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष तुलसी राम केवट के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर विधिवत ध्वजारोहण किया गया। उपस्थित सभी लोगों ने सामूहिक रूप से राष्ट्रगान गाकर तिरंगे को सलामी दी। इसके बाद भारत माता की जय और वंदे मातरम्‌ के नारों से पूरा

परिसर देशभक्ति के रंग में रंग गया। स्वतंत्रता दिवस के इस पावन अवसर पर अध्यक्ष तुलसी राम केवट ने उपस्थित लोगों का मुंह मीठा कराया। सभी ने एक-दूसरे को स्वतंत्रता दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में पहुंचे अतिथियों का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया।कार्यक्रम के दौरान देश की एकता, अखंडता और राष्ट्रप्रेम का संदेश देते हुए सभी ने स्वतंत्रता सेनानियों एवं देश के वीर जवानों के बलिदान को याद किया। इस अवसर पर अतिथि के तौर पर पत्रकार ओमप्रकाश द्विवेदी, अजीत सिंह व मृत्युंजय पाण्डेय, राजीव रंजन सिंह, आनंद परंडवाल, सुनील लांडे, सर्वेश सिंह, संतोष साहनी, राजू यादव, राम सिंह, संजय बावरे, बाबू सिंह, बिंदु गुप्ता, नरेंद्र सिंह, शिवकुमार सिंह, धर्मेंद्र शाह, संजय मास्टर, गौरी भाई, शिवाजी कदम, सुरेश पाण्डेय, राकेश राय, बजरंग राय, उमेश सिंह, संतोष पाठक एवं पंडित जीतू उपाध्याय सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

ईमानदारी और निष्ठा से हीं पूरा होगा विकसित भारत का सपनाः प्रो.वंदना सिंह

◆ पीयू में कुलपति ने किया ध्वजारोहण

एनसीसी कैडटों और सुरक्षाबलों ने दिया गार्ड ऑफ ऑनर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह ने मुक्तांगन परिसर में ध्वजारोहण किया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर तिरंगे के रंग में रंगा रहा।

इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस हम सबके लिए अत्यंत गौरव और सम्मान का दिन है। उन्होंने स्वामी विवेकानंद और भगवान बुद्ध को याद करते हुए कहा कि हमें ऐसे विद्यार्थी का सृजन करना है जो अनुसंधान, आधुनिक तकनीक, नैतिकता के साथ झ साथ सांस्कृतिक मूल्यों को भी रक्षा करें। साथ ही समाज के भी काम आएं तभी हम प्रधानमंत्री के विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा कर सकेंगे।

उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमारे लिए पर्व या समारोह ही नहीं आत्ममंथन का भी दिन है। आज हमें यह विचार करना होगा कि जिस देश के लिए हमारे पूर्वजों ने अपना सर्वस्व समर्पित कर दिया, उनके सपनों को पूरा करने के लिए हम ईमानदारी, निष्ठा के साथ काम करने का संकल्प लें। इस अवसर पर

कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने कहा के हमें अपने अधिकार के साथ-साथ कर्तव्यों पर भी विशेष ध्यान देने की जरूरत है। इसके बाद कुलपति जी ने नशामुक्ति के लिए उपस्थित लोगों को शपथ दिलाई। इसके बाद नोडल अधिकारी डॉ. मनोज पांडेय ने नशामुक्त युवा फार विकसित भारत के लिए हस्ताक्षर अभियान चलाया। इस अवसर पर एनसीसी के कैडटो ने गाड आफ आनर दिया। समारोह का संचालन डॉ. राजेश सिंह ने किया। इसके बाद कर्मचारी संघ के दफ्तर के महाराणा प्रताप द्वार का आनलाइन लोकार्पण कुलपति जी ने किया। कुलपति सभागार में आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के डॉ. रसिकेश ने देश भक्ति पर गीत सुनाया। इस अवसर पर प्रो.अविनाश डी. पाथर्डीकर, प्रोफेसर अजय प्रताप सिंह, प्रो. अजय द्विवेदी, प्रो. देवराज सिंह, प्रो. मनोज मिश्र, प्रो. अशोक कुमार श्रीवास्तव, प्रो. प्रमोद यादव, प्रो. राज कुमार, प्रो. संदीप सिंह, प्रो. गिरधर मिश्र. प्रो मिथिलेश सिंह, डा.रसिकेश, डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. चंदन सिंह, डॉ. श्याम कन्हैया, डॉ. मनोज पांडेय, उप कुलसचिव, अजीत सिंह, बबिता सिंह, डॉ. लक्ष्मी प्रसाद मौर्य, राधेश्याम सिंह मुन्ना, सुशील प्रजापति समेत समस्त संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष शिक्षक, कर्मचारी और छात्र मौजूद थे।

जनपद में धूमधाम से मनाया गया 80वां स्वतंत्रता दिवस

कलेक्ट्रेट में डीएम सैमुअल पॉल एन. ने फहराया तिरंगा, अधिकारियों-कर्मचारियों को दिलाई पंचप्रण की शपथ

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में 80वां स्वतंत्रता दिवस शुक्रवार को हर्षोल्लास और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। कलेक्ट्रेट परिसर में जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. ने ध्वजारोहण किया। इसके बाद तिरंगे को सलामी दी गई और राष्ट्रगान का सामूहिक गायन हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' के गायन से हुई।

ध्वजारोहण के बाद जिलाधिकारी ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पंचप्रण की शपथ दिलाई। उन्होंने देश की एकता, अखंडता और एकजुटता के लिए कार्य करने तथा अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निर्वहन करने का आह्वान किया।

डीएम ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और वीर शहीदों को नमन करते हुए कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमें देश की आजादी के लिए किए गए संघर्ष, त्याग और बलिदान की याद दिलाता है। उन्होंने 'वंदे मातरम के 150 वर्ष' और 'युवा शक्ति-विकसित भारत 2047' के महत्व पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि भारत ने आजादी के बाद कृषि, विज्ञान, तकनीक, अंतरिक्ष, रक्षा, दूरसंचार और डिजिटल क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। अब विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को पूरा करने में युवा शक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

जिलाधिकारी ने युवाओं में बढ़ती नशे और तंबाकू की प्रवृत्ति पर चिंता जताते हुए अभिभावकों, शिक्षकों और समाज के सभी वर्गों से मिलकर युवाओं को नशामुक्त एवं सकारात्मक दिशा देने की अपील की। उन्होंने सोशल मीडिया और

मोबाइल फोन के संतुलित उपयोग पर भी जोर देते हुए युवाओं को शिक्षा, कौशल विकास और रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ने की बात कही।

डीएम ने कहा कि शासन की योजनाओं और जनशिकायतों के निस्तारण में डिजिटल तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और आधुनिक तकनीकों का उपयोग लगातार बढ़ रहा है। अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नई तकनीक सीखकर उसका उपयोग पारदर्शी एवं प्रभावी जनसेवा के लिए करना चाहिए।

इससे पूर्व जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा रंगोली प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाली जनक कुमारी इंटर कॉलेज की छात्राओं को सम्मानित किया।

कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अंबष्ट, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व परमानंद झा, डिप्टी कलेक्टर सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। कार्यक्रम के बाद जिलाधिकारी एवं अधिकारियों ने गांधी तिराहे पर महात्मा गांधी और डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव को मिला 'प्रशंसा चिन्ह (रजत)'

80वें स्वतंत्रता दिवस पर पुलिस सेवा में उत्कृष्ट योगदान के लिए किया गया सम्मानित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पुलिस लाइन, जौनपुर में आयोजित समारोह में अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव को पुलिस सेवा में सराहनीय एवं उत्कृष्ट योगदान के लिए 'प्रशंसा

चिन्ह (रजत)' से सम्मानित किया गया। पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश, लखनऊ द्वारा प्रदान किए गए प्रशंसा चिन्ह (रजत) को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर कुंवर अनुपम सिंह ने पुलिस लाइन में आयोजित समारोह के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव को पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर एसएसपी ने उनके सराहनीय कार्य एवं पुलिस सेवा में योगदान की प्रशंसा करते हुए उज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। सम्मान मिलने पर पुलिस विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी अपर पुलिस अधीक्षक नगर को बधाई दी।

मदरसे के बच्चों ने तिरंगा रैली निकाली, शहीदों को किया याद

मदरसा कुरानिया जामा मस्जिद में मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

मानीकलां,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। विकास खंड सोंधी शाहगंज क्षेत्र के मानीकलां स्थित मदरसा कुरानिया जामा मस्जिद में 80वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर ध्वजारोहण किया गया और राष्ट्रगान गाया गया।

स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में एक तिरंगा रैली निकाली गई। 'हिंदुस्तान जिंदाबाद' असफाकउल्लाह खां के नारों के साथ यह रैली सदर बाजार नजीराबाद चौक अमीनाबाद चौक से होते हुए वापस मदरसे पर समाप्त हुई।इस दौरान स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के बलिदान को याद किया गया। मदरसा के अध्यापकों ने अमन, एकता, इंसानियत और भाईचारे का संदेश दिया।मौलाना अमजद ने इस अवसर पर कहा कि 15 अगस्त भारतीय इतिहास का एक महत्वपूर्ण दिन है। उन्होंने बताया कि यह आजादी बड़ी मेहनत और बलिदान के बाद मिली है, जिसकी हमें कद्र करनी चाहिए। उन्होंने स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद करते हुए कहा कि सभी को यह पर्व उत्साह के साथ मनाना चाहिए।मौलाना अमजद ने आगे कहा कि अंग्रेजों ने देश में काफी

अत्याचार किए, लेकिन हमारे पूर्वजों ने कभी इसे बर्दाश्त नहीं किया और उनका डटकर मुकाबला किया। उन्होंने जोर दिया कि अत्याचार कभी स्थायी नहीं होता और अंततः सत्य तथा न्याय की ही विजय होती है। इस कार्यक्रम में गांव के कई गणमान्य व्यक्तियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। उन्होंने मदरसा कुरानिया जामा मस्जिद के अध्यापकों को धन्यवाद भी दिया। इस अवसर पर अब्दुल्लाह उर्फ डम्पी, इश्तियाक अहमद, राजिक और उत्तरशक्ति संवाददाता आफताब आलम सहित कई अन्य लोग उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता दिवस पर सराहनीय रंगोली के लिए जनक कुमारी इंटर कॉलेज के बच्चों को जिलाधिकारी ने किया सम्मानित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर कलेक्ट्रेट परिसर में जनक कुमारी इंटर कॉलेज की छात्राओं द्वारा

देशभक्ति एवं राष्ट्रीय भावना से ओत-प्रोत आकर्षक एवं मनमोहक रंगोली बनाई गई। रंगोली के माध्यम से छात्राओं ने राष्ट्रप्रेम, तिरंगे के प्रति सम्मान तथा स्वतंत्रता दिवस की भावना को बेहद सुंदर एवं रचनात्मक, मेहनत एवं उत्कृष्ट ढंग से प्रदर्शित किया।

रंगोली की सराहना करते हुए जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. ने छात्राओं से रंगोली तैयार करने में लगे समय, इसकी परिकल्पना एवं उन्हें मिली प्रेरणा के संबंध में विस्तार से जानकारी ली। छात्राओं द्वारा जिलाधिकारी के प्रश्नों के संतोषजनक एवं उत्साहपूर्वक उत्तर दिए गए, जिससे प्रभावित होकर जिलाधिकारी ने उनकी रचनात्मकता एवं प्रतिभा की प्रशंसा की।

जिलाधिकारी ने कहा कि बच्चों द्वारा इस प्रकार की रचनात्मक एवं देशभक्ति से जुड़ी गतिविधियों में प्रतिभाग करना सराहनीय है। ऐसी गतिविधियां विद्यार्थियों में सृजनात्मकता, आत्मविश्वास, राष्ट्रप्रेम एवं सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को और अधिक मजबूत करती हैं। उन्होंने इस आकर्षक रंगोली को एआई के माध्यम से व्यापक स्तर पर प्रसारित किए जाने के लिए भी निर्देशित किया, ताकि छात्राओं की प्रतिभा एवं रचनात्मक कार्य को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाया जा सके।

उत्कृष्ट रंगोली तैयार करने वाली छात्राओं गार्गी मिश्रा, वैष्णवी मिश्रा, वैभवी मिश्रा, सोनाली मिश्रा, आस्था गुप्ता, अंशिका मोदनवाल, कशिश यादव, शिक्षा पटेल एवं अर्पिता मदनवाल को जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. द्वारा सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। जिलाधिकारी ने सभी छात्राओं के उज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें निरंतर आगे बढ़ने और अपनी प्रतिभा को निखारने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. जंग बहादुर सिंह ने सभी सम्मानित छात्राओं को बधाई एवं शुभकामनाएं देते जिलाधिकारी के प्रति आभार व्यक्त किया।

छात्रों ने निकाली तिरंगा रैली, सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए

मानीकलां,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकास खंड सोंधी शाहगंज के मानीकलां स्थित पूर्व माध्यमिक विद्यालय में स्वतंत्रता दिवस समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय में ध्वजारोहण हुआ और

छात्रों ने तिरंगा रैली निकाली। छात्रों ने गांव के विभिन्न क्षेत्रों से होते हुए तिरंगा रैली निकाली, जो वापस विद्यालय परिसर में समाप्त हुई। इसके बाद, विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया कार्यक्रम के अंत में मिष्ठान वितरण किया गया। प्रधानाध्यापक भोलानाथ चौहान ने विद्यार्थियों को देशभक्ति और देश के प्रति अपने कर्तव्यों के महत्व के बारे में बताया। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त स्टाफ का सहयोग रहा, जिसमें सहायक अध्यापक घनश्याम मिश्रा, विकास कुमार यादव, सूरज देव मिश्रा, सीता सहित अधिक संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

मेडिकल कॉलेज में हर्षोल्लास से मनाया गया 80वां स्वतंत्रता दिवस

प्रधानाचार्य प्रो.डॉ.आरबी कमल ने किया ध्वजारोहण, उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों व छात्रा को किया सम्मानित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर में 15 अगस्त को 80वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास, गरिमा और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्रधानाचार्य प्रो. (डॉ.) आरबी कमल के निर्देशन में सांस्कृतिक नोडल डॉ. प्रियंका सिंह द्वारा किया गया। समारोह का शुभारंभ प्रधानाचार्य प्रो. डॉ. आरबी कमल ने ध्वजारोहण कर किया। इसके बाद चिकित्सा शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने राष्ट्रगान प्रस्तुत किया तथा राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' का सामूहिक गायन किया।

प्रधानाचार्य ने स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि महाविद्यालय में प्रत्येक व्यक्ति का अपना दायित्व और कर्तव्य है। यदि सभी लोग ईमानदारी, निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें तो एक बेहतर समाज और सशक्त राष्ट्र का निर्माण संभव है। उन्होंने विद्यार्थियों से मन लगाकर अध्ययन करने तथा चिकित्सा शिक्षकों और कर्मचारियों से अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा से निर्वहन करने का आह्वान किया।

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रो. (डॉ.) एए जाफरी ने चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ और कर्मचारियों को मरीजों की सेवा सर्वोच्च प्राथमिकता से करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि मरीजों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। चिकित्सा संस्थान की पहचान केवल सुविधाओं से नहीं, बल्कि वहां कार्यरत लोगों की सेवा भावना और कर्तव्यनिष्ठा से होती है। समारोह के दौरान महाविद्यालय में उत्कृष्ट एवं निष्ठापूर्वक कार्य करने वाले कर्मचारियों तथा एमबीबीएस अंतिम वर्ष की परीक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली छात्रा को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्रधानाचार्य ने सम्मानित कर्मचारियों और छात्रा के कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें आगे भी इसी समर्पण के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों ने राष्ट्रगीत, देशभक्ति कविताओं और भाषणों की प्रस्तुति दी। इन प्रस्तुतियों ने समारोह में राष्ट्रप्रेम और देश के प्रति समर्पण की भावना को और मजबूत किया।

कार्यक्रम के बाद प्रधानाचार्य प्रो. डॉ. आरबी कमल, चीफ प्रॉक्टर प्रो. डॉ. रुचिरा सेठी, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रो. डॉ. एए जाफरी सहित अन्य चिकित्सा शिक्षकों ने अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती मरीजों से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना। मरीजों को फल एवं मिष्ठान वितरित कर स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी गईं तथा उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की गई।

समारोह में महाविद्यालय के चिकित्सा शिक्षक, छात्र-छात्राएं, कर्मचारी एवं आसपास के लोग मौजूद रहे।

नेयाज नेशनल स्कूल में स्वतंत्रता दिवस समारोह

◆ बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर मन मोहा

आफताब आलम

मानीकलां,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकास खण्ड सोंधी शाहगंज स्थित मानीकलां में नेयाज नेशनल स्कूल में 80वां स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर ध्वजारोहण किया गया और राष्ट्रगान गाया गया। कार्यक्रम में स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद किया गया।

स्कूल के प्रबंधक शफीक अहमद ने ध्वजारोहण किया और अमन, एकता, इंसानियत तथा भाईचारे का संदेश दिया। उन्होंने सभी से देश की आजादी के महत्व को समझने का आह्वान किया।

प्रिंसिपल अंकित पाल ने अपने संबोधन में कहा कि 15 अगस्त भारतीय इतिहास का एक यादगार दिन है। उन्होंने जोर दिया कि यह आजादी बड़ी मेहनत और कुर्बानियों के बाद हासिल हुई है, जिसकी हमें कद्र करनी चाहिए। उन्होंने बुजुर्गों के बलिदान को याद करने का महत्व बताया।

अध्यापक अखिलेश कुमार ने कहा कि अंग्रेजों ने देश में बहुत जुल्म किए, लेकिन हमारे पूर्वजों ने कभी उन्हें बर्दाश्त नहीं किया। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि जुल्म कभी कायम नहीं रहता और हमेशा हक तथा इंसाफ की जीत होती है।

यह कार्यक्रम असिस्टेंट मैनेजर मोहम्मद असिम की देखरेख में संपन्न हुआ। इस अवसर पर प्रबंधक

कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने विभिन्न सांस्कृतिक कलाएं प्रस्तुत कर सबका मन मोह लिया। कार्यक्रम के अंत में सबको मिष्ठान वितरण किया गया गांव के सम्मानित लोगों ने भी इस पर्व में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और नेयाज नेशनल स्कूल के अध्यापकों को धन्यवाद दिया।

मोहम्मद शफीक अहमद, प्रिंसिपल अंकित पाल, अध्यापक बाकिर खान, सय्यद इफ्तेखार हुसैन, अन्य अध्यापिकाएं, ग्राम सभा के सम्मानित ग्रामीण आबूशाद अहमद, शमशेर अहमद, सुशील कुमार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

देशभक्ति प्रस्तुतियों से गूंजा विद्यालय परिसर, मेधावी छात्राओं को ट्रॉफी देकर किया गया सम्मानित

नवाब हुसैन गर्ल्स इंटर कॉलेज में स्वतंत्रता दिवस की धूम

कलापुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नवाब हुसैन गर्ल्स इंटरमीडिएट कॉलेज, कलापुर में 80वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। छात्राओं ने देशभक्ति गीतों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और मनमोहक प्रस्तुतियों के माध्यम से राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया। विद्यालय परिसर भारत माता के जयकारों और देशभक्ति नारों से गूंज उठा।

समारोह का शुभारंभ कॉलेज के प्रबंधक डॉ. आबिद खान एवं प्रधानाचार्या निकहत परवीन ने ध्वजारोहण कर किया। इस अवसर पर उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के त्याग और बलिदान को नमन करते हुए छात्राओं को शिक्षा, अनुशासन और मेहनत के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि छात्राएं अपनी प्रतिभा और मेहनत के बल पर देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।

कार्यक्रम के दौरान वर्ष 2025-26 की हाईस्कूल परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली मेधावी छात्राओं को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली खुशी वर्मा, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली जोया नसही एवं हेबा बानो तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली सना को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

छात्राओं की शानदार देशभक्ति प्रस्तुतियों ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। गीत, सांस्कृतिक कार्यक्रम और राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत प्रस्तुतियों ने समारोह में उत्साह और जोश भर दिया।

इस अवसर पर विद्यालय के लिपिक सुशील कुमार अस्थाना, शिक्षिकाएं फिरदौस फातमा, बबीता, अरीबा शेख, उजमा सिद्दीकी, फायजा सिद्दीकी, सविता, ऋषु सिंह, पूजा प्रजापति, शिक्षक राजाराम, सुमित अस्थाना, शिखर कुमार, अब्दुल रहमान, रोशनी, डिम्पल तथा मीडिया प्रभारी डॉ. इम्तियाज अहमद सहित विद्यालय परिवार के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

पुलिस लाइन में शान से लहराया तिरंगा, धूमधाम से मनाया गया 80वां स्वतंत्रता दिवस

राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव ने किया ध्वजारोहण, शहीदों के बलिदान को किया नमन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शुक्रवार को पुलिस लाइन परिसर में भव्य समारोह आयोजित किया गया। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चंद्र यादव ने ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी दी। राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' के सामूहिक गायन से समारोह की शुरूआत हुई।

समारोह में जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन., मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया और पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह ने राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव, एमएलसी बृजेश सिंह ह्यप्रिंसूह्न, पूर्व गृह राज्यमंत्री महाराष्ट्र सरकार कृपाशंकर सिंह और भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति का स्वागत किया। अतिथियों को स्वामी विवेकानंद की पुस्तक भेंट कर सम्मानित किया गया।

राज्यमंत्री ने जनपदवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि देश की आजादी असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों और वीर शहीदों के त्याग एवं बलिदान का परिणाम है। उन्होंने कहा कि हमें उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर देश की एकता, अखंडता और विकास के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करना चाहिए।

कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं और कलाकारों ने देशभक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। गीत, नृत्य और अन्य प्रस्तुतियों ने समारोह में राष्ट्रप्रेम का रंग भर दिया। दर्शकों ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। स्वच्छता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले सफाई मित्रों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। राज्यमंत्री ने सफाई मित्रों के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि स्वच्छ एवं स्वस्थ समाज के निर्माण में उनकी भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम का संचालन सलमान शेख ने किया, जबकि क्षेत्राधिकारी गोल्डी गुप्ता ने सभी अतिथियों, अधिकारियों, कर्मचारियों, शिक्षकों, कलाकारों और सफाई मित्रों के प्रति आभार जताया।

इसी क्रम में विकास भवन, तहसीलों, विकासखंडों, नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों सहित विभिन्न सरकारी कार्यालयों में भी ध्वजारोहण कर स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और संविधान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

साहू धर्मशाला के चुनाव में अध्यक्ष पद के लिए सतीश चंद्र गुप्त एवं महामंत्री पद के लिए कृष्ण गोपाल गुप्त निर्वाचित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर के साहू धर्मशाला का चुनाव मुख्य चुनाव अधिकारी की देख रेख में रविवार को संपन्न हुआ। जिसमें सतीश चंद्र गुप्त अध्यक्ष पद के लिए, कृष्ण गोपाल गुप्त महामंत्री पद पर निर्वाचित घोषित किए गए।

इसी प्रकार सुधीर साहू बोलबम उपाध्यक्ष पद पर, अजय कुमार गुप्ता मंत्री पद पर और अशोक कुमार साहू कोषाध्यक्ष पद निर्वाचित घोषित किए गए। बतादें कि धर्मेंद्र कुमार साहू पहले ही निरीक्षक पद पर निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए जा चुके हैं। सभी निर्वाचित पदाधिकारियों को मुख्य

चुनाव अधिकारी ने निर्वाचित होने का प्रमाण पत्र सौंपा, इस मौके पर सहायक चुनाव अधिकारी द्वय शिवशंकर साहू बिल्लू व श्रवण कुमार साहू भी मौजूद रहे।

पत्रकार नान बाबू चौहान के आवास पर मनाया गया 80वां स्वतंत्रता दिवस

बलरामपुर (उत्तरशक्ति)। 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ग्राम करमहना में पत्रकार नान बाबू चौहान के आवास पर ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान का आयोजन किया गया। ध्वजारोहण के बाद ग्रामीणों ने तिरंगा यात्रा निकाली, जो गांव के विभिन्न क्षेत्रों से होकर गुजरी। कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित लोगों के लिए जलपान की व्यवस्था की गई। पत्रकार नान बाबू चौहान ने बताया कि उनके आवास पर पिछले करीब छह वर्षों से लगातार स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष भी ग्रामीणों ने उत्साह, उमंग और देशभक्ति की भावना के साथ कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी गौरा मंडल के पांडु पासवान, गौरी देवी चौहान, शकुंतला पांडे, भाजपा बूथ अध्यक्ष रामनरेश पांडे, राजकुमार चौहान, अमर सिंह चौहान, रामसागर, जयसवाल, छवराम जायसवाल, मंजू देवी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। महिलाओं, बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों ने भी उत्साहपूर्वक भागीदारी की और कार्यक्रम को सफल बनाया। स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान पूरे गांव में देशभक्ति का माहौल बना रहा। ग्रामीणों ने एक-दूसरे को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

के ई एम हॉस्पिटल के एडिशनल प्रोफेसर डॉ राम प्रजापति एमबीबीएस से औपचारिक मुलाकात

मुंबई (उत्तरशक्ति)। 15 अगस्त 2026 दिन शनिवार को बिंद समाज विकास संघ के जनसंपर्क कार्यालय दादर मुंबई में के ई एम हॉस्पिटल के एडिशनल प्रोफेसर जनरल सर्जन एंडोस्कोपी लैप्रोस्कोपिक स्पेशलिस्ट, औपचारिक मुलाकात हुई उनसे सामाजिक स्तर प्रतीक स्टार और स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर गहन विचार विमर्श किया गया साथ में उत्तर शक्ति हिंदी दैनिक के संपादक ओमप्रकाश प्रजापति मौजूद रहे, संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ शेषधर बिंद ने उन्हें पुष्प कुछ देकर और संघ का 2026 की डायरी देकर सम्मानित किया। डॉ राम प्रजापति मुंबई महानगर के के ई एम हॉस्पिटल में कई सालों से कार्यरत हैं इतनी बड़ी जिम्मेदारी होने के साथ-साथ समाज की सेवा करना, हर समय लोगों की मदद के लिए आगे आना , हम सभी के साथ हर समय खड़े रहना, हम सभी को गौरवान्वित करती है।

पत्रकार जगदीश तिवारी के आवास पर सुंदर काण्ड पाठ कार्यक्रम संपन्न

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। साईं नाग हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड रुम नंबर 105 क्यूएनक्यू रेस्टोरेंट मोरे गांव में मानस परिवार समाजिक सेवा संस्था के संस्थापक डॉ दिनेश चतुवेर्दी, अध्यक्ष राकेश सिंह ,बमशंकर सिंह, ज्ञानप्रकाश चौबे , अधिवक्ता हितेश चौबे , दिनेश चौबे, राजशेखर पाण्डेय, विष्णुप्रकाश दुबे, विवेक सिंह , सुजित मिश्रा के नेतृत्व में सनातन हिंदू धर्म का प्रचार प्रसार करने के लिए मुम्बई में घर घर सुन्दर काण्ड पाठ का आयोजन किया जाता है। नालासोपारा क्षेत्र के कई जगहों पर मंडल के द्वारा कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं । भजन कीर्तन के माध्यम से जगह जगह कीर्तन का कार्यक्रम कर रहे हैं । उसी तर्ज पर सुंदर काण्ड पाठ का आयोजन दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के पत्रकार जगदीश तिवारी के परिवार द्वारा पत्नी ऊषा देवी, योगेश तिवारी, रुपल तिवारी, अभिषेक तिवारी, अश्विक तिवारी के द्वारा दिनांक 15 अगस्त 2026 दिन शनिवार को किया गया। बता दें जगदीश तिवारी का पैतृक गांव जनपद जौनपुर गांव चेतरिया, पोस्ट पवारा बाजार, थाना पवारा के मूल निवासी हैं।

महारानी रोड पर बड़े धूमधाम से ध्वजारोहण कार्यक्रम संपन्न -

इंदौर (उत्तरशक्ति)। इंदौर स्थित महारानी रोड पर 80 वां स्वतंत्रता दिवस पूरे देश में बड़े धूमधाम से मनाया जा रहा है। पूरा देश देश भक्ती में सराबोर है। वहीं महारानी रोड पर भी देवी अहिल्या साउंड एंड लाइट विक्रेता संघ के द्वारा झंडा वंदन का कार्यक्रम दिनांक 15 अगस्त 2026 दिन शनिवार स्वतंत्रता दिवस पर बड़े हर्षोल्लास एवं देशभक्ति की भावना के साथ एसोसिएशन के अध्यक्ष नारायण खत्री, उपाध्यक्ष शांतिलाल जांगिड़ , सचिव सुधीर चोपड़ा एवं एसोसिएशन के गणमान्य सदस्यों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर राष्ट्रगीत, राष्ट्रगान एवं तिरंगे की सलामी दी गई । उस शुभ अवसर पर दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के चीफ ब्यूरो प्रणित नरेंद्र तिवारी उपस्थित थे।

पूर्व विद्यार्थी परिषद प्रान्त प्रमुख विनय पाण्डेय से मिलने पहुंचे दो राज्य मंत्री

दोनों मंत्रियों ने उनके स्वास्थ्य की कुशलक्षेम जानी

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के राजातालाब में विद्यार्थी परिषद के पूर्व प्रान्त प्रमुख विनय पाण्डेय के ढढोरपुर स्थित आवास पर आयुष राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार उत्तर प्रदेश सरकार दयाशंकर मिश्र दयालु एवं राज्य मंत्री लघु एवं सूक्ष्म उद्योग उत्तर प्रदेश सरकार हंसराज विश्वकर्मा ने सद्भावना भेंट की।पैर में फ्रैक्चर के उपरान्त ऑपरेशन की सूचना मिलने पर दोनों मंत्रियों ने उनके स्वास्थ्य की कुशलक्षेम जानी और शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।इस अवसर पर भाजपा जिला महामंत्री संजय सोनकर, प्रवीण सिंह गौतम, जिला मंत्री युवा मोर्चा श्रीपति मिश्रा, पंकज तिवारी, जिला महामंत्री पिछड़ा मोर्चा गोविंद दास गुप्ता, रत्नाकर पाण्डेय, पूर्व मण्डल अध्यक्ष सुधीर प्रजापति ‡राजू‡, मिलन मौर्य, शिवाशरे विश्वकर्मा एवं अजय विश्वकर्मा सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

यदुवंशी समाज सेवा संस्था ने काशीनाथ यादव का किया भव्य सत्कार

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुलुंड पश्चिम स्थित नागरिक सभा हॉल में यदुवंशी समाज सेवा संस्था की ओर से भव्य सत्कार समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूर्व एमएलसी एवं संस्कृति प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष काशीनाथ यादव का सम्मान एवं अभिनंदन किया गया।

कार्यक्रम में संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष शशिकांत बलिराम यादव, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जय सिंह यादव, राष्ट्रीय सचिव दीनानाथ यादव, निसार खान सहित संस्था के पदाधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता एवं समाज के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

समारोह को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि समाज के प्रतिभाशाली, सक्रिय एवं समाजहित में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तित्वों का सम्मान करना संस्था के प्रमुख उद्देश्यों में शामिल है। काशीनाथ यादव के सामाजिक एवं सार्वजनिक जीवन में योगदान की सराहना करते हुए उन्हें सम्मानित किया गया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष शशिकांत बलिराम यादव ने कहा कि यदुवंशी समाज सेवा संस्था समाज को एकजुट करने, सामाजिक कार्यों को बढ़ावा देने तथा युवाओं को आगे आने के लिए प्रेरित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि समाज की एकता, सहयोग और सकारात्मक सोच के माध्यम से ही सामाजिक विकास को नई दिशा दी जा सकती है।

इस अवसर पर रवींद्रनाथ यादव, जीवन लाल यादव, अनिल यादव, रामेश्वर यादव, लाल बहादुर यादव, वीरेंद्र यादव, हरेंद्र यादव, प्रमोद यादव, संतोष यादव, शशि सिंह, सुरेश यादव, विजय यादव, प्रदीप यादव और अरविंद नायक सहित अनेक लोगों ने काशीनाथ यादव को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल सामाजिक एवं सार्वजनिक जीवन की कामना की।

समारोह सौहार्दपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। उपस्थित लोगों ने संस्था के सामाजिक एकता और सेवा के प्रयासों की सराहना की।

रोटरी क्लब बनारस शाइन ने स्वतंत्रता दिवस पर छात्राओं को वितरण किया साइकिल

गोद लिए विद्यालय पर ध्वजारोहण कर बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया स्वतंत्रता दिवस

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के रोहनिया में 80वां स्वतंत्रता दिवस पर रोटरी क्लब बनारस शाइन ने अपने गोद लिए प्राथमिक विद्यालय देरखु में मुख्य अतिथि नम्रता श्रीवास्तव, अपर डीसीपी, महिला अपराध एवं सुरक्षा तथा विशिष्ट अतिथि रोटे.प्रशांत नागर जिला सचिव जिला 3120, रोटरी इंटरनेशनल ने बच्चों के साथ ध्वजारोहण कर बड़े ही उत्साह के साथ स्वतंत्रता दिवस मनाया इस अवसर पर क्लब द्वारा विद्यालय के सभी बच्चों को मिठाई एवं नाश्ता वितरित किया गया। बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 21 साइकिलें छात्राओं को दी गईं, ताकि उन्हें विद्यालय आने-जाने में सुविधा हो और पढ़ाई में मदद मिल सके। क्लब अध्यक्ष रोटे. विवेक मेहरा ने सभी सदस्यों एवं अतिथियों का स्वागत किया। क्लब सचिव रोटे. हर्षित केशरवानी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से रोटे. रविश गुप्ता, रोटे. शुभम जलान, रोटे. अंकित अग्रवाल, रोटे. पंकज पेशवानी, रोटे. अम्बर भाटिया एवं रोटे. अंकुर अरोड़ा सहित बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे।

शहीदों की याद में सोनभद्र में शान से लहराया तिरंगा, देशभक्ति के रंग में रंगा जिला

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शनिवार को सोनभद्र जिला मुख्यालय समेत पूरे जनपद में देशभक्ति का माहौल देखने को मिला। सरकारी और गैर सरकारी कार्यालयों, विद्यालयों, महाविद्यालयों तथा विभिन्न संस्थानों में ध्वजारोहण कर स्वतंत्रता संग्राम के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। जिले के विद्युत विभाग के विभिन्न स्टेशन, उपखंड कार्यालय, खंड कार्यालय और अधीक्षण अभियंता कार्यालय समेत अन्य सरकारी संस्थानों में तिरंगा शान से लहराया गया। अधिकारियों और कर्मचारियों ने राष्ट्रध्वज को नमन करते हुए देश की आजादी के लिए बलिदान देने वाले वीरों को याद किया। ओबरा में बच्चों ने प्रस्तुत किए सांस्कृतिक कार्यक्रम ओबरा नगर के चोपन रोड स्थित ग्रीन माउंटेन स्कूल में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बच्चों ने मनमोहक सांस्कृतिक एवं देशभक्तिपूर्ण प्रस्तुतियां दीं। बच्चों की प्रस्तुतियों ने उपस्थित लोगों में राष्ट्रप्रेम की भावना भर दी और पूरा वातावरण देशभक्ति के रंग में रंग गया।

स्वतंत्रता दिवस पर प्रजापति समाज ने दिया जनचेतना और शिक्षा का संदेश

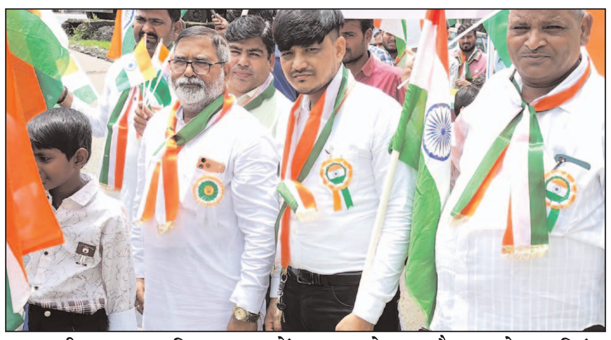

वापी (उत्तरशक्ति)। 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भारतीय प्रजापति कल्याण संघ, वापी द्वारा समाज में जनचेतना बढ़ाने तथा जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से निःशुल्क नोटबुक वितरण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। संघ पिछले आठ वर्षों से लगातार इस सामाजिक एवं शैक्षणिक पहल को चला रहा है। कार्यक्रम की शुरूआत ध्वजारोहण और जनचेतना तिरंगा रैली से हुई। रैली सन ट्रेड सेंटर, वापी से शुरू होकर जीआईडीसी चार रास्ता होते हुए पुनः सन ट्रेड सेंटर के पास पहुंची। इस दौरान भारत माता की जय, जय हिंद और प्रजापति समाज की जय के नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा।

कार्यक्रम में जरूरतमंद बच्चों को निःशुल्क नोटबुक वितरित की गईं, वहीं प्रतिभाशाली एवं तेजस्वी बच्चों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ भारत माता एवं महाराजा दक्ष प्रजापति की पूजा-अर्चना से हुआ। समाज के पुरुषों एवं महिलाओं ने दोनों को पुष्पहार अर्पित किए।

इस अवसर पर संघ के अध्यक्ष रामसूरत प्रजापति ने कहा कि समाज की एकता ही उसकी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि सभी लोग देश और समाज की शक्ति हैं तथा सामूहिक सहयोग से समाज को निरंतर आगे बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने समाज के लोगों से अपनी समस्याएं समाज के समक्ष रखने का आह्वान करते हुए उन्हें समाधान के लिए हरसंभव प्रयास का भरोसा दिलाया। कार्यक्रम में उपस्थित समाज के गणमान्य लोगों का फूल-मालाओं एवं पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया। उपस्थित लोगों ने समाज के कार्यकताओं की मेहनत की सराहना करते हुए समाज के साथ निरंतर जुड़े रहने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में ओमप्रकाश प्रजापति, शैलेष प्रजापति, सुशील प्रजापति, विनयकुमार प्रजापति, नवनीत प्रजापति, रमाशंकर प्रजापति, उमाशंकर, सुनील प्रजापति, निठुरी प्रजापति, राजाराम प्रजापति एवं गायक जितेंद्र प्रजापति सहित अनेक कार्यकताओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कार्यक्रम का सफल संचालन भारतीय प्रजापति कल्याण संघ के उपाध्यक्ष, पारडी एवं दक्ष आर्मी के संस्थापक सुनील प्रजापति ने किया, जबकि अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष रामसूरत प्रजापति ने की। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों ने सभी कार्यकताओं का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया।

डॉ. अश्विनी बने आयुर्वेद विभाग के उपनिदेशक

डॉ. जितेंद्र स्वामी के स्वैच्छिक सेवानिवृत्त होने के बाद मिली महत्वपूर्ण जिम्मेदारी, 16 अगस्त को संभाला कार्यभार

झुंझुनूं । आयुर्वेद विभाग में महत्वपूर्ण प्रशासनिक दायित्व के रूप में डॉ. अश्विनी को उपनिदेशक पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पूर्व उपनिदेशक डॉ. जितेंद्र स्वामी के स्वैच्छिक सेवा निवृत्त होने के बाद रिक्त हुए पद पर डॉ. अश्विनी ने आज 16 अगस्त को पद ग्रहण कर कार्यभार संभाल लिया।

कार्यभार ग्रहण करने के अवसर पर विभागीय अधिकारियों एवं चिकित्सकों ने डॉ.अश्विनी का स्वागत करते हुए उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। पदभार संभालने के बाद डॉ. अश्विनी ने विभागीय कार्यों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने तथा आयुर्वेद चिकित्सा सेवाओं को और बेहतर बनाने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। डॉ. अश्विनी के उपनिदेशक बनने की सूचना मिलते ही आयुर्वेद चिकित्सकों, विभागीय कर्मचारियों, शुभचिंतकों एवं परिचितों में खुशी की लहर दौड़ गई। अनेक चिकित्सकों एवं शुभचिंतकों ने उन्हें फोन पर बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं और उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की। गौरतलब है कि डॉ. जितेंद्र स्वामी के स्वैच्छिक सेवा निवृत्त होने के बाद विभाग में यह महत्वपूर्ण दायित्व अब डॉ. अश्विनी के पास आया है। चिकित्सक समुदाय को उम्मीद है कि उनके अनुभव एवं प्रशासनिक दक्षता से आयुर्वेद विभाग की सेवाओं को नई गति मिलेगी।

डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के प्रांगण में हर्षोल्लास से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन, सोनभद्र के प्रांगण में 80वां स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास एवं गरिमापूर्ण वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जनपद एवं सत्र न्यायाधीश राम सुलिन सिंह, प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय अर्चना अरोड़ा, न्यायाधीश दुर्घटना दावा अधिकरण राम किशोर पांडेय सहित न्यायिक अधिकारी, अधिवक्ता, प्रशासनिक अधिकारी, वादकारी एवं आमजन उपस्थित रहे।

समारोह में सर्वप्रथम भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। वक्ताओं ने संविधान निर्माण में बाबा साहब के योगदान तथा सामाजिक न्याय, समानता और लोकतांत्रिक मूल्यों की स्थापना के लिए उनके संघर्ष को याद किया। इसके बाद राष्ट्रध्वज को सम्मानपूर्वक नमन करते हुए देश की स्वतंत्रता के लिए बलिदान देने वाले वीर शहीदों एवं स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उपस्थित लोगों ने राष्ट्र की एकता एवं अखंडता बनाए रखने, संविधान की मयार्दा और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करने का संकल्प लिया।

समारोह में विभिन्न सांस्कृतिक एवं देशभक्तिपूर्ण कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। देशभक्ति से ओत-प्रोत प्रस्तुतियों ने पूरे वातावरण को राष्ट्रप्रेम और राष्ट्रीय गौरव की भावना से भर दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह एडवोकेट ने की, जबकि संचालन महामंत्री राजेंद्र कुमार यादव एडवोकेट ने किया। इस अवसर पर जगजीवन सिंह, श्याम बिहारी यादव, पवन कुमार सिंह, राजेश यादव, चतुर्भुज शर्मा, संतोष यादव, सुरेश सिंह कुशवाहा, पंकज यादव, द्वारकानाथ नागर, विनीत श्रीवास्तव, प्रेम प्रताप विश्वकर्मा, टीटू प्रसाद गुप्ता, अभिषेक सिंह मौर्य, चंद्रकला गिरी, समृद्धि कुशवाहा, सुदेश कुमार, आदर्श देव पांडेय सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता एवं जनसमुदाय मौजूद रहा।

महुली में 100 मीटर तिरंगे के साथ निकली भव्य तिरंगा यात्रा

सुशील कुमार तिवारी

महुली, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर दुद्धी ब्लॉक क्षेत्र के महुली में शनिवार को भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। आदर्श इंटरमीडिएट कॉलेज महुली, राष्ट्रीय हायर सेकेंडरी स्कूल पोलवा, एमएस आदर्श महाविद्यालय एवं मॉडर्न आईटीआई हीराचक के छात्र-छात्राओं ने संयुक्त रूप से प्रभात फेरी निकालकर देशभक्ति का संदेश दिया। यात्रा में करीब 100 मीटर लंबा तिरंगा आकर्षण का केंद्र रहा।

कार्यक्रम की शुरूआत आदर्श इंटरमीडिएट कॉलेज महुली में ध्वजारोहण के साथ हुई। भाजपा मंडल अध्यक्ष वीरेंद्र चौधरी एवं विद्यालय प्रबंधक महबूब आलम ने ध्वजारोहण किया। राष्ट्रगान के बाद महबूब आलम एवं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के विभाग जिला संयोजक अमन जायसवाल ने तिरंगा यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

सैकड़ों छात्र-छात्राएं हाथों में तिरंगा लेकर स्टेशन रोड होते हुए रीवा-रांची राष्ट्रीय मार्ग तक पहुंचे। इस दौरान ह्यभारत माता की जयह्व और ह्यवंदे मातरम्ह्व के नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। सड़क के दोनों ओर लोगों ने खड़े होकर विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाया।

तिरंगा यात्रा में भारत माता, रानी लक्ष्मीबाई, शिव-पार्वती, राधा-कृष्ण और मां काली की आकर्षक झांकियां भी प्रस्तुत की गईं। विशेष रूप से मां काली की झांकी ने लोगों का ध्यान खींचा।

तिरंगा यात्रा राष्ट्रीय हायर सेकेंडरी स्कूल पोलवा पहुंची, जहां भाजपा जिला उपाध्यक्ष एवं विद्यालय चेयरमैन मकसूद आलम तथा मुख्य अतिथि मनोज कुमार मिश्रा ने ध्वजारोहण किया। प्रधानाचार्य डी. त्रिपाठी की मौजूदगी में विद्यार्थियों ने अनुशासित परेड प्रस्तुत कर अतिथियों को सलामी दी। इसके बाद देशभक्ति और भारतीय संस्कृति पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। आयोजन को सफल बनाने में प्रधानाचार्य डॉ. राकेश कुमार कन्नौजिया, डी. त्रिपाठी, आस्था श्रीवास्तव, नवनीत मिश्रा, छात्र आर्यन कन्नौजिया एवं मनोज कुमार समेत शिक्षक-शिक्षिकाओं और विद्यार्थियों का योगदान रहा। कार्यक्रम के समापन पर मिष्ठान वितरित किया गया। विशाल तिरंगे, देशभक्ति नारों और आकर्षक झांकियों ने महुली के स्वतंत्रता दिवस समारोह को यादगार बना दिया।

चिता पर रखने से पहले शरीर में महसूस हुई हलचल, महिला को श्मशान से वापस लाए परिजन

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। बभनी थाना क्षेत्र के कोंगा गांव में गुरुवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब मृत मानकर अंतिम संस्कार के लिए श्मशान घाट ले जाई गई करीब 40 वर्षीय महिला के शरीर में हलचल महसूस होने की बात सामने आई। चिता तैयार होने के बाद अंतिम संस्कार रोक दिया गया और परिजन महिला को वापस घर ले आए।

बताया गया कि पूर्व ग्राम प्रधान कृष्णानंद की पत्नी दुर्गावती पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रही थीं। परिजनों के अनुसार, चिकित्सकों ने जांच में पीलिया और लीवर में सूजन की जानकारी दी थी। बुधवार रात करीब 11 बजे इलाज के दौरान उनकी मृत्यु होने की बात परिजनों ने बताई। गुरुवार सुबह परिजन शव को पागन नदी के किनारे स्थित श्मशान घाट ले गए। अंतिम संस्कार की तैयारी पूरी हो चुकी थी। इसी दौरान शव को चिता पर रखने से पहले कुछ ग्रामीणों ने शरीर में हलचल और गर्माहट महसूस होने की बात कही। सूचना पर परिजनों ने अंतिम संस्कार रोक दिया।

परिजनों ने एंबुलेंस बुलाने का प्रयास किया, लेकिन समय पर एंबुलेंस नहीं पहुंच सकी। इसके बाद महिला को ट्रैक्टर-ट्रॉली से वापस घर लाया गया। फिलहाल अंतिम संस्कार रोक दिया गया है। घटना के बाद गांव में तरह-तरह की चचार्एं होने लगीं। कुछ लोग इसे कोमा जैसी स्थिति से जोड़कर देख रहे हैं। हालांकि महिला की वास्तविक चिकित्सकीय स्थिति की पुष्टि डॉक्टर की जांच के बाद ही हो सकेगी। घटना ने मृत घोषित किए जाने की प्रक्रिया और चिकित्सकीय पुष्टि को लेकर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

गंजारी में सज रहा खेलों का काशीधाम, अंतिम दौर में निर्माण

वाराणसी। काशी की पहचान सदियों से मंदिरों, घाटों और आध्यात्मिक चेतना से रही है। अब इसी शहर की धरती पर गेंद और बल्ले की गूंज काशी के नए परिचय की पटकथा लिखने जा रही है। राजातालाब के गंजारी में आकार ले रहा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम अब निर्माण के अंतिम पड़ाव पर पहुंच चुका है। रविवार को जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार के निरीक्षण में सामने आई तस्वीर बताती है कि वर्षों से प्रतीक्षित यह सपना अब मूर्त रूप लेने से कुछ ही कदम दूर है। सूत्रों के अनुसार निर्माण कार्य अंतिम दौर में है और शेष काम को तेजी से पूरा कराया जा रहा है। सब कुछ निर्धारित योजना के अनुरूप रहा तो सितंबर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के आसपास स्टेडियम के लोकार्पण की संभावना पर भी मंथन चल रहा है। हालांकि उद्घाटन की अंतिम तिथि और कार्यक्रम की आधिकारिक घोषणा अभी नहीं हुई है। जून में भी विभिन्न रिपोर्टों में निर्माण 90 से 95 प्रतिशत तक पूरा होने की बात सामने आई थी। रविवार के निरीक्षण में परियोजना अधिकारियों ने जिलाधिकारी को बताया कि स्टेडियम के लगभग सभी प्रमुख हिस्सों का काम पूरा हो चुका है। डमरू परियोजना का कार्य अंतिम शेष कार्यों में है, जिसे निर्धारित समय में पूरा कराने की तैयारी है। वीआईपी/दक्षिण मंडप तथा पश्चिम और पूर्व मंडप तैयार हो चुके हैं। मीडिया सेंटर और आंतरिक कार्य भी पूरे किए जा चुके हैं। क्रिकेट मैदान में घास बिछाने का काम पूरा है, जबकि बाहरी विकास कार्य 80 फीसदी से अधिक हो चुका है। जिलाधिकारी ने निर्माण की गुणवत्ता का जायजा लेते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश

दिया कि अंतिम चरण में गति बढ़े, लेकिन गुणवत्ता से किसी भी स्तर पर समझौता न हो। नियमित निगरानी और प्रगति की लगातार समीक्षा के भी निर्देश दिए गए। गंजारी का स्टेडियम केवल ईंट-पत्थर और कंक्रीट का विशाल ढांचा नहीं है। इसकी वास्तुकला में काशी और भगवान शिव की सांस्कृतिक छाप को विशेष रूप से उकेरा गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 23 सितंबर 2023 को इसकी आधारशिला रखी थी। लगभग 450-451 करोड़ रुपये की लागत और 30 एकड़ से अधिक क्षेत्रफल में विकसित हो रहा यह स्टेडियम करीब 30 हजार दर्शकों की क्षमता वाला होगा। स्टेडियम की प्रस्तावित स्थापत्य पहचान में अर्धचंद्राकार छत, त्रिशूल के आकार की फ्लडलाइट, घाट की सीढ़ियों जैसी दर्शक दीघाएं और बेलपत्र की आकृति से प्रेरित बाहरी डिजाइन शामिल हैं। यानी टीवी स्क्रीन पर जब यहां अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का रोमांच दुनिया देखेगी तो कैमरे के फ्रेम में क्रिकेट के साथ काशी की सांस्कृतिक आत्मा भी दिखाई देगी। गंजारी का महत्व केवल अंतरराष्ट्रीय मैचों तक सीमित नहीं रहने वाला। यह पूर्वांचल के उन युवाओं के लिए उम्मीद का मैदान होगा, जिन्हें अब तक बड़े स्तर के प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं के लिए दूसरे शहरों की ओर देखना पड़ता था। अत्याधुनिक सुविधाओं, अभ्यास पिचों, मीडिया सेंटर और खिलाड़ियों के लिए विकसित किए जा रहे आधुनिक इंतजामों के साथ यह परिसर क्रिकेट प्रतिभाओं को नया मंच देगा। अंतरराष्ट्रीय स्तर के मैचों की मेजबानी के साथ इसके आसपास खेल आधारित गतिविधियों और अधोसंरचना के विस्तार की भी संभावनाएं बढ़ेंगी। गंजारी क्षेत्र में प्रस्तावित स्पोर्ट्स सिटी की योजना भी इसी बदलती तस्वीर की ओर संकेत करती है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट केवल चौके-छक्कों का उत्सव नहीं होता। उसके साथ होटल, परिवहन, खानपान, पर्यटन, स्थानीय कारोबार और रोजगार की पूरी अर्थव्यवस्था चलती है। मैच देखने आने वाले हजारों दर्शक काशी के घाटों, मंदिरों और बाजारों तक पहुंचेंगे। ऐसे में गंजारी का स्टेडियम काशी के धार्मिक पर्यटन के साथ खेल पर्यटन का नया केंद्र भी बन सकता है। एक ओर विश्वनाथ धाम में आस्था का सैलाब होगा तो दूसरी ओर गंजारी में क्रिकेट का जुनून। यही संगम आने वाले वर्षों में काशी की नई पहचान गढ़ सकता है। 23 सितंबर 2023 को जिस परियोजना की नींव रखी गई थी, उसके लोकार्पण की घड़ी अब करीब आती दिख रही है। शुरुआती समयसीमा में बदलाव और निर्माण संबंधी विभिन्न चरणों के कारण परियोजना को अपेक्षित समय से अधिक अवधि लगी, लेकिन अब निर्माण की तस्वीर तेजी से बदल रही है।

नालासोपारा के ओसवाल नगर में भव्य रूप से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। ओसवाल नगर में 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सम्राट स्टूडियो की ओर से भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सिंगर, कलाकार एवं गायिकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर देशभक्ति का जज्बा प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दौरान महिला कलाकारों सहित विभिन्न कलाकारों ने शानदार प्रस्तुतियां दीं। देशभक्ति गीतों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों से पूरा माहौल राष्ट्रप्रेम से सराबोर हो गया। उपस्थित लोगों ने एक-दूसरे को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए देश की एकता, अखंडता और भाईचारे का संदेश दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सम्राट स्टूडियो मुंबई से जुड़े सभी कलाकारों एवं सहयोगियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस अवसर पर संजय प्रजापति, भाजपा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में शामिल प्रमुख सिंगर एवं कलाकारों में विषाल पांडे, किशन प्रेमी, सौरभ मिश्रा, रवि राजभर, रुद्रेश दुबे, नितेश चौहान, अनिल राजवार, विशाल राजभर, कृष्णा राजभर, पुष्पा राज डाँली, मधु यादव, रतन बाबू, सोनी कक्कड़, गुड्डू बिहारी, पीयूष मिश्रा, संचित प्रजापति, संतोष यादव, शैलेश सांवरिया और प्रदुम प्यारे सहित अन्य कलाकार एवं गायिकाएं शामिल रहीं।

राजकीय आयुर्वेद औषधालय में उत्साहपूर्वक मनाया स्वतंत्रता दिवस

वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजेंद्र कुमावत ने फहराया तिरंगा, वरिष्ठ नागरिक भोमा राम सैनी का किया सम्मान

उदयपुरवाटी (उत्तरशक्ति)। राजकीय आयुर्वेद औषधालय में देश का 80वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास एवं देशभक्ति के वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ. राजेंद्र कुमावत ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। ध्वजारोहण के पश्चात उपस्थित लोगों ने राष्ट्रगान गाकर राष्ट्र के प्रति सम्मान एवं समर्पण की भावना व्यक्त की।

इस अवसर पर डॉ. राजेंद्र कुमावत की ओर से प्रतिवर्ष राष्ट्रीय पर्व पर वार्ड के वरिष्ठ नागरिक को दिए जाने वाले गेस्ट ऑफ ऑनर सम्मान से इस वर्ष वरिष्ठ नागरिक भोमा राम सैनी को सम्मानित किया गया। उन्हें सम्मान स्वरूप स्मृति-चिह्न भेंट कर उनके सामाजिक योगदान एवं वरिष्ठता का अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने स्वतंत्रता संग्राम के वीर सेनानियों को नमन करते हुए देश की एकता, अखंडता एवं समृद्धि के लिए अपने दायित्वों का निर्वहन करने का संकल्प लिया। इस दौरान प्रजापति धर्मशाला अध्यक्ष फूलचंद लुहानीवाल, ओंकार मल सैनी, गधूराम कारगुवाल, विवेक कुमार, योग प्रशिक्षक विकास कुमावत, ममता भोंकल, नंदलाल सैनी (हलवाई) रहीम मंसूरी, अनवर मंसूरी, वजीर मंसूरी, सुरेश कुमार, सीताराम सैनी, चौथ मल सैनी, प्रताप सिंह, सुनीता सैनी सहित बड़ी संख्या में गणमान्यजन एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। परिसर में इस उपलक्ष्य में मिठाई भी वितरण की गई। कार्यक्रम के अंत में डॉ. कुमावत ने सभी उपस्थितजनों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राष्ट्रीय पर्व केवल उत्सव नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों को याद करने और समाजहित में योगदान देने का एक अवसर भी है।

सर्वेश सिंह के निधन पर शोक व्यक्त

मुंबई। मुंबई के प्रतिष्ठित व्यवसायी सर्वेश सिंह 64 वर्ष का हृदय गति रुक जाने से शनिवार को निधन हो गया। उनके निधन की खबर से परिवार, रिश्तेदारों एवं क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। मीरा रोड स्थित श्मशान भूमि में उनका अंतिम संस्कार किया गया, जहां उनके सुपुत्र तुषार सिंह ने उन्हें मुखाग्नि दी। दिवंगत सर्वेश सिंह अपने पीछे अपनी पत्नी और एक पुत्र, दो पुत्रियों सहित नाती-पोतों से भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। वे मूल रूप से जौनपुर जिले के जलालपुर क्षेत्र स्थित बदलपुर गांव के निवासी थे और पिछले कई वर्षों से अपने परिवार के साथ मुंबई के मीरा रोड में रह रहे थे। वे सहज, सरल एवं मृदुभाषी व्यक्तित्व के धनी थे। मुंबई में महालक्ष्मी मंदिर के पास स्थित उनकी प्रसिद्ध विजय स्वीट्स की दुकान क्षेत्र में काफी चर्चित थी। सर्वेश सिंह के सुपुत्र तुषार सिंह असल्फा के समाजसेवी देवेंद्र प्रताप सिंह के दामाद हैं। इस नाते स्वर्गीय सर्वेश सिंह, देवेंद्र प्रताप सिंह के समधी थे। उनके निधन पर निवर्तमान ब्लॉक प्रमुख मंजू चंद्रशेखर शुक्ला, श्री रामलीला उत्सव समिति के अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल रिंकू, रामबिलास पाठक, दिवाकर मिश्र, हरीश पांडेय, दलजीत पांडेय, प्रमुख राहुल चंद्रशेखर शुक्ल, आदेश मिश्र, अरविंद शुक्ल, दिनेश सिंह, निलेश तिवारी, चंद्रमणि सिंह, शुभम सिंह, रामतीर्थ शर्मा, अवधेश तिवारी, सचिन शुक्ल सहित तमाम शुभचिंतकों ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत पुण्यात्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की तथा शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की।

पंचम राम बिंद के निधन पर बिंद समाज में शोक की लहर

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। बिंद समाज विकास संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रमुख समाजसेवी राम जी बिंद के पूज्यनीय पिताजी पंचम राम बिंद आयु लगभग 75 वर्ष की अवस्था में 12 अगस्त 2026 दिन बुधवार को शाम लगभग 8:30 बजे वाराणसी हेरिटेज हॉस्पिटल में लंबे समय से जीवन की लड़ाई लड़ते हुए दुनिया को अलविदा कह दिए, पंचम राम बिंद लल्लापुर वाराणसी उत्तर प्रदेश के निवासी थे। बहुत ही दयालु खुश दिल मिलनसार के रूप में जाने जाते थे, उनके निधन की खबर सुनकर पूरे बिंद समाज में शोक की लहर व्याप्त हो गई, उनके अंतिम दर्शन करते समय लोगों की आंखें नम हो गई, बिंद समाज विकास संघ के कार्यकताओं एवं सदस्यों ने दुख प्रकट करते हुए ईश्वर से प्रार्थना किया कि भगवान उन्हें स्वर्ग में स्थान दे, और दुखित परिवार को इस दुःख की घड़ी से उबरने की सहनशक्ति एवं साहस दे।

80वाँ स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया

मुंबई। 15अगस्त 2026को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भौमरंग कामर्शियल में ऐम्बेलियर बिजनेस सल्यूशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम को दीपक रणदीवे प्रबंधक एवं डायरेक्टर अरुण दीक्षित ने शुभकामनायें देते हुए कहा कि समानता, समभावन बनाये रखने कि बात की। सब लोगों से संबिधान की प्रस्तावना का को पढ़वाया तथा रणदीवे आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम की समाप्ति की घोषणा की।

आरसीएम ने मनाया नारी शक्ति, उपलब्धि और आत्मनिर्भरता का उत्सव

पटना। आरसीएम कंज्यूमर प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आरसीएम वर्ल्ड, भीलवाड़ा में 15 और 16 अगस्त को आयोजित स्पेशल वूमेन्स एकेडमी 2026 का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। हर नारी सम्मान की अधिकारी की थीम पर आयोजित इस दो दिवसीय कार्यक्रम में देशभर से महिला एसोसिएट बायर्स और लीडर्स ने सहभागिता की। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं की उपलब्धियों को सम्मान देने के साथ स्वास्थ्य, नेतृत्व, आत्मविश्वास, खेल भावना और आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित करना रहा। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह की शुरूआत पथ संचलन और ध्वजारोहण से हुई, जिसमें स्कूली बच्चियों की प्रस्तुति और देशभर की विविध संस्कृतियों को दशार्ती सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ विशेष आकर्षण रहीं। स्पेशल वूमेन्स एकेडमी के पहले दिन आयोजित सम्मान समारोह में महिला अचीवर्स को सम्मानित किया गया।

रोटरी क्लब बोईसर-तारापुर द्वारा स्वतंत्रता दिवस पर इंटर-स्कूल डांस प्रतियोगिता आयोजित

-अजीत सिंह

पालघर (उत्तरशक्ति)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर रोटरी क्लब ऑफ बोईसर-तारापुर की ओर से पश्चिम बोईसर स्थित टीमा हॉल में इंटर-स्कूल डांस प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। देशभक्ति से ओत-प्रोत इस आयोजन में विद्यार्थियों की शानदार प्रस्तुतियों ने उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया।

क्लब अध्यक्ष रोटेरियन डॉ. प्रवीण वैश्य के नेतृत्व में आयोजित इस प्रतियोगिता में प्रोजेक्ट डायरेक्टर पास्ट प्रेसिडेंट रोटेरियन वैशाली शिंदे तथा कॉर्डिनेटर रोटेरियन सुमन मित्तल एवं अलका जैन ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ. लीना वर्तक का क्लब अध्यक्ष डॉ. प्रवीण वैश्य ने पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। प्रतियोगिता में बोईसर-तारापुर क्षेत्र के सात विद्यालयों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीतों पर आकर्षक नृत्य प्रस्तुत कर तिरंगे की आन-बान-शान और राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया। उनकी जोशीली प्रस्तुतियों से पूरा सभागृह तालियों की गड़गड़ाहट और भारत माता की जय के जयघोष से गूंज उठा। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच आदर्श विद्यालय ने प्रथम, सी टी ई एस स्कूल ने द्वितीय तथा मुम्बई पब्लिक स्कूल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों को पुरस्कार एवं प्रशस्तिपत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। इस अवसर पर पास्ट प्रेसिडेंट रोटेरियन संदीप राऊत तथा 2027-28 की मनोनीत प्रेसिडेंट रोटेरियन अलका जैन ने सभा को संबोधित किया। उन्होंने स्वतंत्रता दिवस के महत्व, देश की स्वतंत्रता के लिए किए गए बलिदानों तथा युवा पीढ़ी की राष्ट्र निर्माण में भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को देशभक्ति, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन रोटेरियन रत्ना सिंह, रोटेरियन स्मिता जाधव एवं रोटेरियन भाविका विकास पाटील ने किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में रोटेरियन सदस्य अपने परिवार सहित, गणमान्य नागरिक, विद्यालयों के शिक्षक-शिक्षिकाएं, विद्यार्थी एवं अभिभावक उपस्थित रहे। समापन अवसर पर रोटेरियन रमेश पंडा एवं क्लब सेक्रेटरी रोटेरियन रेखेश जैन ने सभी अतिथियों, विद्यालयों, विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं रोटेरियन सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में देशप्रेम, अनुशासन, आत्मविश्वास और प्रतिभा को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। रोटरी क्लब भविष्य में भी सामाजिक, सांस्कृतिक एवं राष्ट्रभक्ति से जुड़े आयोजनों को निरंतर बढ़ावा देता रहेगा।

वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में स्वतंत्रता दिवस समारोह, नशामुक्त समाज का लिया संकल्प

मुंबई। देशभर में 80वां स्वतंत्रता दिवस राष्ट्रभक्ति, उत्साह और राष्ट्रीय गौरव की भावना के साथ मनाया गया। इसी क्रम में अजीथा नायर एजुकेशन ट्रस्ट द्वारा आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में देशभक्ति के साथ सामाजिक जिम्मेदारी और नशामुक्त समाज का मजबूत संदेश देखने को मिला। समारोह में नागरिकों, विद्यार्थियों और गणमान्य अतिथियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में अपर पुलिस आयुक्त, ईस्ट रीजन वरिष्ठ IPS अधिकारी धनंजय कुलकर्णी, मुंबई महिला एवं बाल कल्याण समिति की अध्यक्ष एवं स्थानीय नगरसेविका मीनल तुरडे, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अमित ताड़ तथा पुलिस निरीक्षक दीपाली कुलकर्णी की गरिमामयी उपस्थिति रही। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी ने समारोह की गरिमा को और बढ़ा दिया।

समारोह का शुभारंभ राष्ट्रीय ध्वज फहराने और राष्ट्रध्वज को सलामी देने के साथ हुआ। उपस्थित लोगों ने देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले स्वतंत्रता सेनानियों और वीर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर देश की एकता, अखंडता, शांति और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के साथ राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया गया। समारोह का सबसे महत्वपूर्ण संदेश नशामुक्त समाज के निर्माण को लेकर रहा। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के ड्रग्स फ्री महाराष्ट के संकल्प को मजबूत करने और मुंबई को नशामुक्त बनाने की दिशा में जनभागीदारी बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया। अजीथा नायर एजुकेशन ट्रस्ट ने इस सामाजिक अभियान को प्रभावी बनाने के लिए लोगों को जागरूक करने और नशे के खिलाफ सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने नशे से दूर रहने तथा युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने की शपथ ली। वक्ताओं ने कहा कि नशे की लत केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य और भविष्य को ही प्रभावित नहीं करती, बल्कि इससे परिवार, समाज और आने वाली पीढ़ियों पर भी गंभीर असर पड़ता है। इसलिए युवाओं को नशे से दूर रखना हर नागरिक की सामाजिक जिम्मेदारी है। वक्ताओं ने कहा कि स्वतंत्रता केवल अधिकारों का आनंद लेने का नाम नहीं है, बल्कि देश के प्रति अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन करना भी सच्ची देशभक्ति है। राष्ट्र की वास्तविक प्रगति तभी संभव है, जब नागरिक कानून का सम्मान करते हुए सामाजिक सद्भाव, भाईचारे, शांति और विकास में अपना सकारात्मक योगदान दें।

समारोह के समापन पर उपस्थित लोगों ने राष्ट्र की एकता और अखंडता की रक्षा के साथ मुंबई एवं महाराष्ट्र को नशामुक्त बनाने के प्रयासों में सक्रिय भागीदारी निभाने का सामूहिक संकल्प लिया।

नागपुर में भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं को रवींद्र चव्हाण की दो टूक नसीहत

ठाणे/नवी मुंबई। नागपुर स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में जीत हासिल करने के लिए नागपुर और वर्धा जिले के कुल लगभग 12 लाख शिक्षित स्नातक मतदाताओं में से कम से कम 50 हजार नए मतदाताओं का पंजीकरण कराया जाए। साथ ही सोशल मीडिया के माध्यम से और नागरिकों से प्रत्यक्ष संपर्क बढ़ाकर केंद्र तथा राज्य सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों और योजनाओं का प्रभावी प्रचार किया जाए, ऐसे निर्देश भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण ने पार्टी के कार्यकताओं, पदाधिकारियों और नेताओं को दिए। नागपुर में आयोजित बैठक में मंच पर राज्यमंत्री डॉ. पंकज भोयर, भाजपा विधायक प्रवीण दटके, कृष्णा खोपडे, परिणय फुके और शहर अध्यक्ष दयाशंकर तिवारी उपस्थित थे। इसी दौरान रविंद्र चव्हाण ने पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकताओं को स्पष्ट शब्दों में अपनी बात रखी। नागपुर स्नातक निर्वाचन क्षेत्र का चुनाव अब महज चार महीने दूर है। इसे देखते हुए भाजपा ने अभी से चुनावी तैयारियां शुरू कर दी हैं। पिछले चुनाव में पहली बार भाजपा को इस सीट पर हार का सामना करना पड़ा था। इस पृष्ठभूमि को ध्यान में रखते हुए प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण ने पूर्व विदर्भ के दौरे के दौरान दो दिनों में छह बैठकें कीं। नागपुर एयरपोर्ट के बैंक्वेट हॉल में आयोजित अपने दौरे की अंतिम बैठक में नागपुर शहर, नागपुर ग्रामीण और वर्धा के प्रमुख भाजपा पदाधिकारी, नगरसेवक और नेता मौजूद थे। बैठक की शुरूआत में ही रविंद्र चव्हाण ने उपस्थित लोगों से सवाल किया की हमें यह चुनाव जीतना है या नहीं? क्या हमारी सचमुच ऐसी इच्छा है? उनके इस सीधे सवाल ने बैठक में मौजूद सभी लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया।

इसके बाद उन्होंने सवाल किया कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर हममें से कितने लोग वास्तव में सक्रिय हैं। इस सवाल के जरिए उन्होंने कार्यकताओं को आत्ममंथन करने पर मजबूर किया। साथ ही उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि हम सोशल मीडिया के क्षेत्र में पीछे हैं, और इस कमी को दूर करने के लिए सभी को गंभीरता से काम करने की जरूरत है। रविंद्र चव्हाण ने आगे कहा नागपुर शहर, नागपुर ग्रामीण और वर्धा को मिलाकर कुल आबादी लगभग 70 लाख है। इनमें शिक्षित स्नातकों की संख्या लगभग 12 लाख होने का अनुमान है।

देश की युवा शक्ति राहुल गांधी के साथ: निखिल रूपारेल

नई दिल्ली। मुंबई यूथ कांग्रेस उत्तर मध्य जिला के अध्यक्ष निखिल रूपारेल ने नई दिल्ली स्थित 10 जनपद में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मुलाकात की। इस अवसर पर उनके साथ विक्रम सिंह ठाकुर भी उपस्थित रहे। इस बारे में पत्रकारों से बात करते हुए निखिल रूपारेल ने कहा कि राहुल गांधी जी को वे अपना राजनीतिक गुरु और प्रेरणास्त्रोत मानते हैं। आज पूरे देश का युवाओं का राहुल गांधी पर पूरा विश्वास है। इसका प्रमुख कारण है कि वे लगातार युवाओं की आवाज बुलंद कर रहे हैं। निखिल रूपारेल ने कहा कि राहुल गांधी के पास सच्चाई की ताकत है। यही कारण है कि मोदी सरकार बौखला गई है। इसके पहले भी अनेक बार राहुल गांधी के सच्चाई की जीत हुई है और सरकार को बैक फुट पर आना पड़ा है। उन्होंने कहा कि नेहरू परिवार पर आरोप लगाने वाले लोगों को यह नहीं भूलना चाहिए कि पंडित जवाहरलाल नेहरू ने अपनी 98 प्रतिशत संपत्ति दान कर दिया था, जिसकी कीमत उसे समय करीब 200 करोड़ थी। आज के हिसाब से यह संपत्ति 2000 करोड रुपए से अधिक है। उन्होंने कहा कि आज राम मंदिर जैसी पवित्र जगह भी सुरक्षित नहीं है। पूरे देश में खुलकर लूट चल रही है। देश की आर्थिक हालत खराब है। बेरोजगारी और भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है। विदेशी नीति पूरी तरह से असफल हो चुकी है। निखिल रूपारेल ने कहा कि भारत आज अमेरिका के हाथों की कठपुतली बन गया है। मोदी सरकार ने देश के भविष्य को अमेरिका के हाथों गिरवी रख दिया है।

महिला एसोसिएट बायर्स और लीडर्स को मिला सम्मान

मधुबनी। हर नारी सम्मान की अधिकारी की थीम पर आरसीएम कंज्यूमर प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आयोजित स्पेशल वूमेन्स एकेडमी 2026 के दो दिवसीय कार्यक्रम में मधुबनी सहित देशभर से महिला एसोसिएट बायर्स और लीडर्स ने सहभागिता की।

स्वतंत्रता दिवस पर उत्तर भारतीय संघ ने किया शहीदों के परिजनों का सम्मान

मुंबई। देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर उत्तर भारतीय संघ की ओर से बांद्रा पूर्व स्थित संघ भवन के बाबू सत्यनारायण सिंह सभागृह में शहीदों के परिजनों के सम्मान में समारोह आयोजित किया गया। देशभक्ति के गीतों के बीच जब शहीदों के परिजनों का सम्मान किया गया तो सभागृह का माहौल भावुक हो उठा। शहीदों के बलिदान को नमन करते हुए उनके परिजनों को सम्मान निधि, प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिह्न प्रदान किए गए। कार्यक्रम का आयोजन उत्तर भारतीय संघ के अध्यक्ष संतोष आरएन सिंह की संकल्पना के तहत किया गया।

समारोह में विशेष रूप से नागपुर से शहीद लांस नायक रत्नाकर कलंबे की पत्नी डॉ. अर्चना रत्नाकर कलंबे, नायक सुनील काशीराम नखाते की पत्नी कल्पना नखाते, सातारा से शहीद एकनाथ माने की पत्नी सुमन माने तथा मुंबई से शहीद माणिक दमदमे की पत्नी पुष्पा दमदमे का विशेष रूप से सत्कार किया गया। उत्तर भारतीय संघ शहीदों के परिजनों का सम्मान कर गौरवान्वित है। संघ की तरफ से प्रत्येक सम्मानित परिवार को एक-एक लाख रुपए का चेक, प्रशस्ति पत्र और गणपति प्रतिमा प्रदान की गई। सम्मान प्राप्त करते समय शहीद परिवारों की भावनाएं छलक उठीं और कई मौकों पर उनकी आंखों से आंसू निकल पड़े। सभागृह में मौजूद लोगों ने भी भावुक होकर वीर शहीदों को नमन किया।

उत्तर भारतीय संघ के अध्यक्ष संतोष आरएन सिंह ने स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शहीदों के परिजन पूरे समाज के लिए विशेष सम्मान और प्रेरणा के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि सम्मान निधि के रूप में कितनी राशि दी गई, यह महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि महत्वपूर्ण यह है कि शहीदों के परिवारों ने संघ का निमंत्रण स्वीकार कर कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। संतोष आरएन सिंह ने शहीद परिवारों के प्रति पूरे समाज की ओर से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उत्तर भारतीय संघ हमेशा उनके सुख-दुख में उनके साथ खड़ा रहेगा। उन्होंने घोषणा की कि शहीद परिवारों के किसी भी पारिवारिक कार्यक्रम के लिए उत्तर भारतीय संघ का सभागार उन्हें निःशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि संघ की ओर से हर वर्ष 15 अगस्त का कार्यक्रम आयोजित किया जाता है और भविष्य में भी यह परंपरा जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि हम सभी आज यहां शहीदों की वजह से खड़े हैं। देश की स्वतंत्रता और उसकी रक्षा के लिए जिन वीरों ने अपना जीवन समर्पित किया, उनके परिवारों का सम्मान करना हम सभी का दायित्व है।शहीद लांस नायक रत्नाकर कलंबे की पत्नी डॉ. अर्चना रत्नाकर कलंबे ने सम्मान के लिए उत्तर भारतीय संघ और अध्यक्ष संतोष आरएन सिंह का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि देश की सेवा केवल सेना में जाकर ही नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति द्वारा अपने-अपने स्तर पर की जा सकती है। उन्होंने आम लोगों से भी देश और समाज की सेवा के लिए आगे आने की अपील की। डॉ. अर्चना कलंबे ने अपने संघर्ष के दिनों को याद करते हुए बताया कि कठिन परिस्थितियों में उन्होंने मजदूरी करते हुए अपने परिवार की जिम्मेदारियां संभालीं। उनके संघर्ष और जज्बे को सुनकर कार्यक्रम में मौजूद लोग भावुक हो गए। उत्तर भारतीय संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राधेश्याम तिवारी ने स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए आजादी के लिए संघर्ष करने वाले महापुरुषों और शहीदों को नमन किया। उन्होंने कहा कि 80 वर्ष पहले देश को स्वतंत्रता दिलाने के लिए अनेक महापुरुषों और स्वतंत्रता सेनानियों ने अपना सर्वस्व न्योछावर किया। आजादी के बाद आने वाली पीढ़ियों ने देश के निर्माण और विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने कहा कि देश की सीमाओं की रक्षा करते हुए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले शहीदों के परिवारों के प्रति समाज की जिम्मेदारी कभी खत्म नहीं हो सकती। उत्तर भारतीय संघ शहीद परिवारों के हर सुख-दुख में उनके साथ खड़ा रहेगा। इस मौके पर म्यूजिकल ग्रुप स्वर मल्हार ने देशभक्ति गीतों का लोगों में जोश भर दिया। कार्यक्रम में उत्तर भारतीय संघ के कार्याध्यक्ष शारदा प्रसाद सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राधेश्याम तिवारी, उपाध्यक्ष संजय सिंह, महासचिव देवेंद्र तिवारी, कोषाध्यक्ष अजय सिंह, सदस्य अनुराग ?त्रिपाठी, आदित्य दुबे सहित और समाज के अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। समारोह ने स्वतंत्रता दिवस को केवल उत्सव के रूप में मनाने के बजाय शहीदों के बलिदान को याद करने, उनके परिवारों का सम्मान करने और सामाजिक जिम्मेदारी निभाने का संदेश दिया।